सोमवार 26 जनवरी 2026 ■ मूल्य 3.00 ■ वर्ष 03 ■ अंक 311 ■ पृष्ठ 08

गौतमबुद्ध नगर

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

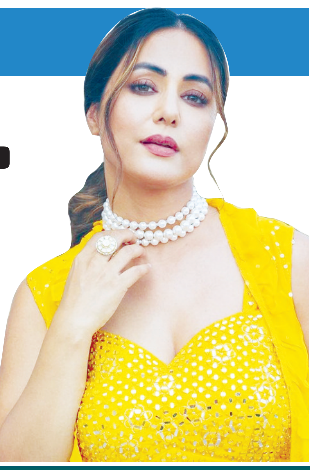

04 भारत के गणतंत्र दिवस ... | 07 ऑस्ट्रेलियाई ओपनः अल्काराज, सबालेंका और कोको गॉफ ... | 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' करियर का सबसे बड़ा ... 08

भारत दुनिया में शांति का संदेश फैला रहा हैः राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न महाद्वीपों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच रविवार को कहा कि भारत विश्व में शांति का संदेश फैला रहा है, जो मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और महिला सशक्तीकरण समेत विभिन्न मुद्दों पर बात की और वंदे मातरम् तथा देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू ने शांति के ''संदेशवाहक'' के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करते हुए सार्वभौमिक सद्भाव के प्रति प्राचीन सभ्यतागत प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। उन्होंने कहा, ''हमारी परंपरा में, समस्त सृष्टि में शांति के बने रहने की प्रार्थना की जाती रही है। पूरे विश्व में शांतिपूर्ण व्यवस्था स्थापित होने से ही मानवता का भविष्य सुरक्षित रह सकता है। विश्व के अनेक क्षेत्रों में व्याप्त अशांति के वातावरण में, भारत द्वारा विश्व-शांति का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।'' अपने

संबोधन के दौरान, राष्ट्रपति ने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने वाले सटीक हमले, ऑपरेशन सिंदूर की हालिया सफलता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। मुर्मू ने कहा, ''पिछले वर्ष, हमारे देश ने, ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा, आतंकवाद के ठिकानों पर सटीक प्रहार किया। आतंक के अनेक ठिकानों को ध्वस्त किया गया तथा बहुत से आतंकवादियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया।'' उन्होंने कहा, ''सुरक्षा के क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता से ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता को शक्ति मिली।

विजय अमृतराज को पद्म भूषण, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर को पद्म श्री

नई दिल्ली। महान टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज, विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर उन प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें रविवार को 2026 के लिए घोषित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विजय अमृतराज इस वर्ष पद्म भूषण पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे। यह भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जो एमेच्योर और शुरुआती ओपन युग के दौरान भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाने में उनके अग्रणी योगदान के लिए दिया गया। पूर्व डेविस कप स्टार अमृतराज को इससे पहले 1983 में पद्म श्री और 1974 में अर्जुन पुरस्कार मिल चुका है। उन्होंने विम्बलडन और अमेरिकी ओपन में एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में दो-दो बार जगह बनाई थी और बाद में विभिन्न प्रशासनिक व राजदूत जैसी भूमिकाओं में भारतीय खेल की सेवा की। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर उन कई खिलाड़ियों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में भारत की परिवार व्यवस्था और परंपरा के महत्व को रेखांकित किया

परिवार से मिलती है चुनौतियों से निपटने की ताकतः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भारत की परिवार व्यवस्था और परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में इसे कोतुहल के साथ देखा जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज की ताकत मिलने से हम बड़ी-बड़ी चुनौतियों को परास्त कर सकते हैं। 'मन की बात' के 130वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने परिवार व्यवस्था को बढ़ाने को लेकर यूएई में हो रहे प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने हाल ही में अपनी भारत यात्रा में उन्हें बताया कि वे अगला वर्ष परिवार के वर्ष के तौर पर मना रहे हैं। इसका मकसद है कि वहां के लोगों के बीच सौहार्द और सामूहिक भावना मजबूत हो । उन्होंने इस संदर्भ में गुजरात के चंदनकी गांव की सामुदायिक रसोई परंपरा का उल्लेख किया और इसे पारिवारिक और

सामाजिक एकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ''गुजरात में बेचराजी के चंदनकी गांव की परंपरा अपने आप में अनूठी है। .. यहां के लोग, विशेषकर बुजुर्ग, अपने घरों में खाना नहीं बनाते तो आपको हैरत होगी। इसकी वजह गाँव का शानदार सामुदायिक रसोई। इसमें एक साथ पूरे गांव का सबका खाना बनता है और लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। बीते 15 वर्षों से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है। इतना ही नहीं, यदि कोई व्यक्ति बीमार है तो उसके लिए टिफिन सेवा भी उपलब्ध है, यानि होम डिलिवरी का भी पूरा इंतजाम है।'' साथ ही सामुदिक भावना से किए गए सराहनीय प्रयास का उदाहरण देते हुए उन्होंने अनंतनाग में चले नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता अभियान को अपने कार्यक्रम में शामिल किया। उन्होंने बताया कि अनंतनाग के शेखगुन्ड गाँव में ड्रग्स, तंबाकू, सिगरेट और शराब से जुड़ी चुनौतियाँ काफी बढ़ गई थी। इन सबको देखकर यहां के स्थानीय मीर जाफ़र इतना परेशान हुए कि उन्होंने इस समस्या को दूर करने की ठान ली। उन्होंने गाँव के युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी को एकजुट किया। उनकी इस पहल का असर कुछ ऐसा रहा कि वहाँ की दुकानों ने तंबाकू उत्पादों को बेचना ही बंद कर दिया। इस प्रयास से ड्रग्स के खतरों को लेकर भी लोगों में जागरूकता बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने मन की बात में भक्ति और आधुनिकता के संगम 'भजन क्लबिंग' की युवाओं के बीच बढ़ती लोकप्रिय का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह भजनों की पवित्रता को बनाए रखते हुए आध्यात्मिकता को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक अद्भुत प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में भजन और कीर्तन सदियों से हमारी संस्कृति की आत्मा रहे हैं। आज के युवाओं ने भक्ति को अपने अनुभव और अपनी जीवन-शैली में ढाल दिया है। इसी सोच से एक नया सांस्कृतिक चलन उभरकर सामने आया है। सोशल मीडिया में इसके वीडियो सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''देश के अलग-अलग शहरों में बड़ी संख्या में युवा इकट्ठा हो रहे हैं। मंच सजा होता है, रोशनी होती है, संगीत होता है, पूरा ताम-झाम होता है और माहौल किसी कोनसर्ट से जरा भी कम नहीं होता है। ....लेकिन वहाँ जो गाया जा रहा होता है वो पूरी तन्मयता के साथ, पूरी लगन के साथ, पूरी लय के साथ भजन की गूंज। इस चलन को आज 'भजन क्लबिंग' कहा जा रहा है और यह खासतौर पर जेनजी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।'' इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने विदेशों में भारतीय संस्कृति की पहचान बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की।

सर्दियों में श्रीअन्न का जरूर करें सेवन

प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में श्रीअन्न के प्रति बढ़ते जन-लगाव पर प्रसन्नता व्यक्त की और लोगों से सर्दियों में इसका सेवन जरूर करने की सलाह दी। तमिलनाडु और राजस्थान में महिला किसानों और एफपीसी द्वारा किए जा रहे नवाचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे स्वास्थ्य व आय दोनों के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा, ''श्रीअन्न अन्नदाताओं की कमाई बढ़ाने के साथ ही लोगों की स्वास्थ्य में भी सुधार की गारंटी बनता जा रहा है। श्रीअन्न पोषण से भरपूर होते हैं। हमारे देश में सर्दियों का मौसम तो खानपान के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। ऐसे में इन दिनों हमें श्रीअन्न का सेवन जरूर करना चाहिए।''

सबके प्रयास से हुआ तमसा नदी का पुनरुद्धार

प्रधानमंत्री प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाले मन की बात कार्यक्रम में सकारात्मक प्रयासों को उठाते हैं। इसी क्रम में उन्होंने तमसा नदी के पुनरुद्धार का विषय रखा। उन्होंने कहा कि सबके प्रयास से लोगों ने जनजीवन की धूरी रही तमसा को फिर से अविरल किया। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से होकर गुजरने वाली तमसा नदी अयोध्या से निकलकर गंगा में समाहित होती है। संस्कृति पर आध्यात्मिक विरासत की संजीव धारा है। इसके पुनरुद्धार में लोगों की भूमिका की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नदी की सफाई की गई और उसके किनारे छायादार, फलदार पेड़ लगाए गए। स्थानीय लोग कर्तव्य भावना से इस काम में जुटे और सबके प्रयास से नदी का पुनरुद्धार हुआ। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में 'अनंत नीरु संरक्षणम परियोजना' का उल्लेख करते हुए बताया कि जलाशयों की सफाई, वृक्षारोपण और जल संरक्षण से क्षेत्र का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्जीवित हुआ।

सूचना : 26 जनवरी 2026 को अवकाश होने के कारण अगला अंक दिनांक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

बिहारः तेजस्वी को राजद का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव को रविवार को यहां हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में राजद की करारी हार हुई थी, जिसमें 'महागठबंधन' ने 36 वर्षीय नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा करके चुनाव लड़ा था। राजद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया, जिसमें यादव, प्रसाद और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यादव की सबसे बड़ी बहन एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी बैठक में मौजूद थीं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। शनिवार को वह पार्टी में अपना राजनीतिक कद बढ़ने को लेकर आश्वस्त दिखे थे, क्योंकि उन्होंने राजद कार्यालय में कार्यकर्ताओं से कहा था कि वह बूथ स्तर से पार्टी संरचना में बदलाव करने के बारे में सोच रहे हैं। तेजस्वी यादव और राज्यसभा सदस्य संजय यादव समेत उनके करीबी सहयोगियों को उनकी बड़ी बहन रोहिणी आचार्य ने विधानसभा चुनाव में हुई करारी हार के लिए सीधे तौर पर दोषी ठहराया था।

दुनिया का सिरमौर बनेगा भारतः डॉ मोहन भागवत

पटना। संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ मोहनराव भागवत ने कहा कि अपना देश आगे बढ़े और दुनिया का सिरमौर बने। इसकी परिस्थिति भी बन रही है, लेकिन चुनौती भी कम नहीं हैं। कुछ देशों को भारत का आगे बढ़ना अच्छा नहीं लग रहा है। उन्हें अपनी दुकान बंद होने का खतरा दिख रहा है। जिससे वे आगे बढ़ने के मार्ग में बाधा खड़ी करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि डर दूर करने के लिए निर्भयता जरूरी है।निर्भयता से सबलता आएगी जिससे समस्याओं को दूर किया जा सकता है। डॉ भागवत ने कहा कि दुनिया में सद्भाव जरूरी है।

सद्भाव नहीं रहने पर लोग आपस में लड़कर मर जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी विदेशी शक्ति ने अपनी ताकत के बल पर हमें पराधीन नहीं किया। विदेशी शक्तियों ने हमारी फुट का लाभ उठाकर जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि समाज मे सद्भाव रहने पर लोग सभी के सुख दुख में शामिल होंगे, इससे समस्या अपने आप दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अब अपना समाज भी जाग रहा है। देश भी आगे बढ़ रहा है। खंड या प्रखंड स्तर पर बैठकर समाज की समस्या दूर

करने पर लोगों को किसी नेता का मोहताज नहीं होना होगा। उन्होंने लोगों से अपनी अपनी जाति बिरादरी की उन्नति, प्रगति के लिए प्रयत्न करने, दूसरी जाति या बिरादरी की समस्या दूर करने या सामूहिक रूप से समस्या दूर करने के लिए किए गए कार्य की जानकारी ली। दूसरे सत्र में प्रश्नकाल के बाद सर संघचालक जी ने कहा कि समस्या बताने के साथ उपाय भी बताना चाहिए। आज देश सज्जनशक्ति के भरोसे चल रहा है। सज्जन लोग अपने अपने स्तर पर समस्या दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। इस कड़ी को और नीचे ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ व्यवस्था से समस्या दूर नहीं होगी। समाज के लोग आपस मे बैठकर चिंतन करेंगे तब समस्या से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि संघ समाज के लोगों को जागृत कर रहा है, लेकिन जागरूकता जमीन पर होना चाहिए।

गणतंत्र दिवस 2026: गृह मंत्रालय की झांकी में 'दंड से न्याय' का संकल्प

नई दिल्ली। इस बार 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर गृह मंत्रालय की एक विशेष झांकी में तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सफल राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन को प्रदर्शित किया जाएगा। गृह मंत्रालय के मुताबिक 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन कानूनों को इस सदी का सबसे बड़ा कानूनी सुधार माना जा रहा है। झांकी के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि भारत अब दंड आधारित औपनिवेशिक व्यवस्था से निकलकर 'न्याय' के भारतीय दर्शन को अपना चुका है। यह 'विकसित भारत' की . का एक सशक्त प्रतीक है। झांकी में भारत की आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित और नागरिक-केंद्रित न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को दिखाया जाएगा। इनमें डिजिटल

साक्ष्य और ई-प्रणाली, इंटिग्रेटेड सिस्टम, मोबाइल फॉरेंसिक इकाइयां और महिला सशक्तिकरण शामिल होंगे। नए कानूनों की समावेशिता को दर्शाने के लिए झांकी में कुछ विशेष पहलुओं को जोड़ा गया है। इनमें न्याय के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पहली बार 'सामुदायिक सेवा' को शामिल करना (जो न्याय के प्रति एक प्रगतिशील और मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है), कानून की नई पुस्तकों का विभिन्न भाषाओं में प्रदर्शन करना (जो न्याय प्रणाली देश के हर नागरिक के लिए सुलभ और समझने योग्य है) और अदालती कार्यवाही में लगने वाले समय को कम करने के लिए तकनीक के उपयोग तथा वर्चुअल सुनवाई को प्रमुखता देना शामिल होगा।

गणतंत्र दिवसः 982 कर्मियों को मिले वीरता व सेवा पदक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस 2026 के उपलक्ष्य में पुलिस, अग्निशमन, होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस (एचजीएंडसीडी) तथा 'करेक्शनल सर्विसेज' (सुधारात्मक सेवा) के कुल 982 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, इन सम्मानों में 125 वीरता पदक शामिल हैं। वीरता पुरस्कारों में से अधिकांश में 45 कर्मियों को जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से, 35 कर्मियों को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों से, पांच कर्मियों को पूर्वोत्तर से और 40 कर्मियों को अन्य क्षेत्रों से उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। बयान के अनुसार, वीरता पदक प्राप्त करने वालों में चार अग्निशमन सेवा के बचावकर्मी भी शामिल हैं। आधिकारिक विवरण के मुताबिक, राज्यों में जम्मू कश्मीर पुलिस को सर्वाधिक 33 वीरता पदक मिले हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छत्रसाल स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह में ली सलामी

दिल्ली को देश का आर्थिक केंद्र बनाने की जरूरत: सीएम गुप्ता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में रविवार को अपने पहले संबोधन में कहा कि दिल्ली को देश का सबसे मजबूत आर्थिक केंद्र बनने की जरूरत है। गुप्ता ने छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते की घोषणा इस सप्ताह होने की उम्मीद है जो दिल्ली के लिए लाभकारी हो सकता है क्योंकि इससे शहर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए यूरोपीय संघ के देशों में 45 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंचने के द्वार खुल जाएंगे। दिल्ली सरकार गणतंत्र दिवस समारोह हर साल 25 जनवरी को आयोजित करती है। गुप्ता ने पिछले 11 महीनों में दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, कारोबार सुगमता, सामाजिक कल्याण, परिवहन और ग्रामीण विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए अपनी सरकार के कामकाज को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 'सुरक्षित शहर परियोजना' के तहत दिल्ली सरकार शहर भर में 10,000 उन्नत सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू होने के बाद अब तक 6.5 लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है और 30,000 से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शहर में 300 से अधिक आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि पर रोक लगाने के लिए सरकार ने दिल्ली शिक्षा अधिनियम पारित किया जिससे लाखों अभिभावकों और छात्रों को लाभ होगा। गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार स्टार्टअप नीति संबंधी अपनी पहलों के जरिए दिल्ली को ''विचारों की राजधानी'' बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) यह सुनिश्चित करेगा कि विकास कार्यों के लिए शहर को धन की कमी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी के ग्रामीण इलाकों पर विशेष ध्यान दे रही है और उसने विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1,700 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं तथा झुग्गी बस्तियों में बेहतर नागरिक अवसंरचना के लिए भी 700 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार यमुना की सफाई, कूड़े के ढेर और शहर में प्रदूषण जैसी ''विरासत में मिली समस्याओं'' से निपटने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले

तीन साल में 11,000 इलेक्ट्रिक बस जोड़कर सार्वजनिक परिवहन बेड़े को मजबूत करना और मेट्रो रेल नेटवर्क को मौजूदा 396 किलोमीटर से बढ़ाकर 500 किलोमीटर करना है। गुप्ता ने लोगों से शहर के विकास के लिए दिल्ली सरकार की पहलों में सहयोग एवं भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने शहर के निजी प्रतिष्ठानों से सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और विकेंद्रीकृत सीवेज शोधन संयंत्रों (एसटीपी) का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी स्वच्छ ईंधन से चलने वाले वाहनों का उपयोग करने और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने का आग्रह किया ताकि वे ''स्वच्छ और हरित दिल्ली'' के लिए सरकार के प्रयासों में योगदान दे सकें।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से वाहन बेचने वाले गिरोह को किया बेनकाब, फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की चौकी/पुलिस पोस्ट सेक्टर-10 द्वारका की टीम ने 2023-24 में एक पूर्व सैनिक के साथ हुए गंभीर धोखाधड़ी के मामले को सुलझा लिया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में फर्जी दस्तावेजों के सहारे लोनग्रस्त वाहनों की खरीद-बिक्री करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की टीम ने 1200 किलोमीटर से अधिक का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आसपास शिवालिक रेंज की तलहटी में लगातार छापेमारी की। इस दौरान टीम ने जंगली इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की अनुपस्थिति, उफनती नहरों और बाघों के खतरे के बीच रातभर अभियान चलाया। आखिरकार 4 जनवरी की तड़के करीब 3:45 बजे नेपाल सीमा के पास ग्राम भोपालपुर, साकरिया, थाना गजरौला (पीलीभीत) में एक फार्म से कुख्यात आरोपी हरदीप सिंह रंधावा को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी हरदीप सिंह रंधावा उत्तर प्रदेश पुलिस को पिछले तीन वर्षों से वांछित था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित गंभीर धाराओं में चार से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। कानून से बचने के लिए उसने पंजाब से लेकर उत्तर प्रदेश तक सात से अधिक ठिकाने बदलते हुए पीलीभीत-बरेली क्षेत्र में शरण ली थी। यह मामला 24 जनवरी 2025 को थाना द्वारका साउथ में दर्ज एफआईआर संख्या 86/2025 से जुड़ा है। शिकायतकर्ता संजीव कुमार, जो एक सेवानिवृत्त सैनिक के पुत्र हैं, सेकेंड हैंड कार के व्यवसाय से जुड़े हैं। 8 फरवरी 2023 को एक व्यक्ति ने स्वयं को हरप्रीत सिंह रंधावा बताकर इनोवा क्रिस्टा बेचने की पेशकश की।

सागरपुर लूटकांड का खुलासा, एंटी स्नैचिंग सेल ने दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी स्नैचिंग सेल और थाना सागरपुर की संयुक्त टीम ने मिलकर एक लूट की वारदात का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। इस मामले में दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दशरथपुरी निवासी सुमित नागपाल (34) और विजय एन्क्लेव, डाबरी निवासी गौरव उर्फ टोटला (31) के रूप में हुई जानकारी के अनुसार, यह वारदात 18 जनवरी की रात करीब 10:15 बजे की है। शिकायतकर्ता एम. कुमार अपनी बाइक से घर जा रहे थे। जब वह दशरथपुरी नाले के पास पहुंचे, तो दो युवक अचानक उनकी बाइक के सामने आ गए। जैसे ही उन्होंने ब्रेक लगाया, दोनों आरोपियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनके पास से 680 रुपए लूट लिए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उन्हें धमकाकर फोन-पे के जरिए 3200 रुपए अपने खाते में जबरन ट्रांसफर भी करवा लिए और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में थाना सागरपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की गई। थाना सागरपुर और एंटी स्नैचिंग सेल की एक संयुक्त टीम बनाई गई। इस टीम में पीएसआई मुकेश, हेड कांस्टेबल सुमेर, हेड कांस्टेबल अरुण, कांस्टेबल नितिन और कांस्टेबल अनिल शामिल थे।

युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क के बुलंद मस्जिद इलाके में शनिवार देर रात 32 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 11:24 बजे हुई। उत्तर-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि थाने में फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि बुलंद मस्जिद इलाके के निवासी समीर उर्फ मुस्तकीम उर्फ कम्मू पहलवान को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी है। परिजन गंभीर हालत में उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शास्त्री पार्क थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एहतियात के तौर पर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस आपसी रंजिश, पुरानी दुश्मनी और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। गणतंत्र दिवस से ठीक पहले हुई इस हत्या ने न केवल उत्तर-पूर्वी दिल्ली, बल्कि पूरी राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपितों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन तब तक इलाके में दहशत और चिंता का माहौल बना हुआ है।

दिल्ली की हवा हुई साफ, बारिश और तेज हवाओं से AQI में सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को हुई बारिश और तेज हवाओं की वजह से दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी में काफी सुधार हुआ। बारिश की वजह से जहरीला स्मॉग और पॉल्यूटेंट्स हट गए। रविवार सुबह दिल्ली का एक्यूआई 152 दर्ज किया गया, जो 'मीडियम' स्तर का रिकॉर्ड किया गया। यह डेटा सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार सुबह 6.05 बजे का है। इससे पहले शनिवार को दिल्ली में 24 घंटे का एवरेज एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 192 रिकॉर्ड किया गया था, जो शाम 4 बजे 'मीडियम' कैटेगरी में था।

समृद्ध नारी से ही समृद्ध राष्ट्र बनेगा: शिवराज चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को देशभर से आईं 'लखपति दीदियों' को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध नारी ही समृद्ध राष्ट्र की निर्माता बनेगी। अब वे सामाजिक, आर्थित, राजनैतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं जो नई क्रांति है। शिवराज सिंह ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित 'लखपति दीदियों से संवाद' कार्यक्रम में कही, जो 26 जनवरी (सोमवार) में शामिल होने के लिए यहां एकत्र हुई हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में शामिल करना है। मंत्री ने महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा, ₹अब हम केवल घर में नहीं रहेंगे, बल्कि चुनाव भी लड़ेंगे और सरकार भी चलाएंगे।₹ उन्होंने उदाहरण दिया कि कई राज्यों में 50 प्रतिशत आरक्षण के बावजूद बहनें अपनी योग्यता से 58 प्रतिशत तक पदों पर बैठी हैं। मंत्री ने कहा कि 'लखपति दीदी' योजना के तहत 2 करोड़ 90 लाख का आंकड़ा पार कर लिया गया है और जल्द ही 3 करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी के शब्द हमारे लिए मंत्र हैं। अब समय आ गया है कि देश की कोई भी बहन गरीब न रहे। जो बहनें अभी भी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से बाहर हैं, उन्हें जोड़ना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है।₹ महिलाओं की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए मंत्री ने महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। अब एसएचजी समूहों के साथ-साथ व्यक्तिगत रूप से भी दीदियों को अपना उद्योग शुरू करने के लिए बड़ा लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना नहर में युवक डूबा

नई दिल्ली। सरस्वती मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना नहर में हुए हादसे से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पूर्वी दिल्ली और उप्र की सीमा से होकर बहने वाली यमुना नहर में एक युवक के डूबने की आशंका जताई जा रही है। लापता युवक की पहचान विकास के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, उप्र एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हालांकि अब तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के लिए 5 से 6 युवक यमुना नहर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक विकास का पैर फिसल गया और वह संतुलन खोकर नहर में गिर पड़ा। साथ मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन नहर में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह कुछ ही पलों में पानी में ओझल हो गया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी अमोल श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार रात करीब 8 से 8:15 बजे के बीच यूपी पुलिस को यमुना नहर में युवक के गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए करीब 8:30 बजे एनडीआरएफ को भी मौके पर बुलाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यमुना नहर दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सीमा के साथ बहती है और इस समय इसमें पानी का बहाव काफी तेज है। इसी वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गोताखोरों की मदद से नहर में लगातार छानबीन की जा रही है, वहीं संभावित बहाव क्षेत्र में भी निगरानी बढ़ा दी गई है। दिल्ली बोर्ड क्लब के इंचार्ज हरीश कुमार ने बताया कि देर रात करीब 12:30 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था, लेकिन रविवार सुबह 6:30 बजे से एक बार फिर तलाश शुरू कर दी गई है। बोर्ड क्लब के प्रशिक्षित गोताखोर लगातार यमुना नहर में युवक की तलाश कर रहे हैं। घटना के बाद से प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू टीमों के साथ समन्वय बनाकर पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों और घटना के समय मौजूद युवकों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि हादसे से जुड़ी हर जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि मूर्ति विसर्जन और अन्य धार्मिक गतिविधियों के दौरान नहरों, नदियों और अन्य जल स्रोतों के पास विशेष सावधानी बरतें। तेज बहाव और फिसलन के कारण ऐसे हादसों की आशंका बनी रहती है। फिलहाल युवक विकास की तलाश लगातार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आती, तब तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा जाएगा।

दिल्ली मेट्रो निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

20 किमी बैरिकेडिंग और 17 किमी एलईडी लाइट से बढ़ी दृश्यता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चल रहे दिल्ली मेट्रो के निर्माण कार्यों के दौरान वाहनों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इस समय शहर के विभिन्न हिस्सों में लगभग 20 किलोमीटर लंबी बैरिकेडिंग लगाई गई है, ताकि निर्माण स्थलों के आसपास आवागमन सुरक्षित बना रहे।

खासकर सर्दियों के मौसम में कोहरे और कम दृश्यता को देखते हुए इन बैरिकेड्स पर करीब 17 किलोमीटर एलईडी रोप लाइट और ब्लिंकर लगाए गए हैं, जिससे रात के समय भी ये दूर से स्पष्ट दिखाई दें। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि निर्माण स्थलों के आसपास यातायात को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए 270 से अधिक ट्रैफिक मार्शल

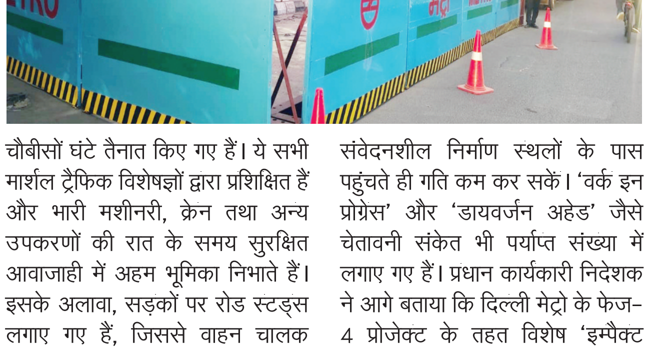

चौबीसों घंटे तैनात किए गए हैं। ये सभी मार्शल ट्रैफिक विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित हैं और भारी मशीनरी, क्रेन तथा अन्य उपकरणों की रात के समय सुरक्षित आवाजाही में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, सड़कों पर रोड स्टड्स लगाए गए हैं, जिससे वाहन चालक संवेदनशील निर्माण स्थलों के पास पहुंचते ही गति कम कर सकें। 'वर्क इन प्रोग्रेस' और 'डायवर्जन अहेड' जैसे चेतावनी संकेत भी पर्याप्त संख्या में लगाए गए हैं। प्रधान कार्यकारी निदेशक ने आगे बताया कि दिल्ली मेट्रो के फेज-4 प्रोजेक्ट के तहत विशेष 'इम्पैक्ट प्रोटेक्शन व्हीकल' को शामिल किया गया है। ये वाहन सड़क पर भारी मशीनों की आवाजाही और क्रेन की स्थापना के दौरान श्रमिकों और अन्य वाहनों की सुरक्षा के लिए तैनात किए जाते हैं।

इन वाहनों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि तेज रफ्तार या लापरवाही से चलने वाले वाहनों के टकराने की स्थिति में भी नुकसान को कम किया जा सके। वहीं सर्दियों के मौसम में दिन और रात दोनों समय घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए डीएमआरसी की सेफ्टी टीमें अतिरिक्त कदम उठा रही हैं। बैरिकेड्स पर एलईडी लाइट और ब्लिंकर के साथ-साथ फॉग लाइट भी लगाई गई हैं। वहीं, निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के हेलमेट पर रिफ्लेक्टिव टेप और हाई-विजिबिलिटी जैकेट अनिवार्य की गई हैं, ताकि वे दूर से ही दिखाई दे सकें।

प्रधान कार्यकारी निदेशक ने बताया कि जहां-जहां सड़क डायवर्जन लागू किए गए हैं, वहां पर्याप्त सूचना बोर्ड और संकेतक लगाए गए हैं। हर डायवर्जन की योजना दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय कर तैयार की जाती है। इन स्थानों पर सुरक्षा के लिए तीन-स्तरीय व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें प्लास्टिक बैरियर, रेत या पानी से भरे ड्रम और कंक्रीट क्रैश बैरियर शामिल हैं। इसके अलावा तेज हवा या मानसून के दौरान बैरिकेड्स को स्थिर रखने के लिए उन्हें नीचे से भारी बनाया गया है और जमीन में कील से मजबूती से जोड़ा गया है। इन्हें और मजबूत करने के लिए नट-बोल्ट की मदद से बैरिकेड्स को आपस में भी जोड़ा गया है, जिससे वे प्रतिकूल मौसम में भी गिरे नहीं। इसके अलावा, कंक्रीट क्रैश बैरियर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो निर्माण स्थलों के भीतर मौजूद भारी मशीनों से टकराने की स्थिति में वाहनों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। खास बात यह है कि ये बैरियर निर्माण कचरे के पुनर्चक्रण से बनाए गए हैं, जिससे ये पर्यावरण के अनुकूल भी हैं।

डीएमआरसी ने सुरक्षा सामग्री की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए ठेका शर्तों में ट्रैफिक मैनेजमेंट से संबंधित एक अलग अध्याय शामिल किया है, जो सभी ठेकेदारों पर बाध्यकारी है। ये दिशा-निर्देश दिल्ली मेट्रो के पहले चरण के अनुभवों और भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी - 67 कोड) के मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश दिवस-2026: बच्चों ने पेश किए रंगारंग देशभक्ति कार्यक्रम

नोएडा। नोएडा के शिल्प हाट में आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के दूसरे दिन स्कुलों के बच्चों ने देश भक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। वहीं सरकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय स्टाल और प्रदर्शनियां लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनीं हुई है। इस अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

यहां आयोजित कार्यक्रमों के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवकांत द्विवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस जैसे आयोजन प्रदेश की लोककला, शिल्प, सांस्कृतिक विविधता एवं प्रतिभाओं को सशक्त मंच प्रदान करते हैं तथा युवाओं, महिलाओं एवं उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि तीन

दिवसीय इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश की विकासात्मक योजनाओं, निवेश संभावनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रति आमजन की जागरूकता और सहभागिता और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने जनसामान्य से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस आयोजन का लाभ उठाएं। वहीं उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति, सामाजिक चेतना एवं सांस्कृतिक विषयों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। आर्य पब्लिक स्कूल, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सेक्टर-12, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज होशियारपुर सेक्टर-51, सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल, बीजीएस विजनाथन स्कूल, राव कासल पब्लिक स्कूल, वर्ल्ड स्कूल ग्रेटर नोएडा एवं सरला चोपड़ा डीएवीपी स्कूल के छात्रों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, नृत्य नाटिका, लघु नाटिका एवं समूह गान प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

इसके अतिरिक्त कथक नृत्यांगना अनुराधा द्वारा प्रस्तुत मनमोहक कथक नृत्य, कवि रघुवर आनंद के भावपूर्ण कविता पाठ तथा अश्रुत बैंड द्वारा बांसुरी वादन एवं मधुर गीतों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित जनसामान्य को विशेष रूप से आकर्षित किया। उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित स्टाल एवं प्रदर्शनियां भी लगाई गईं है। इनमें पशुपालन, विद्युत, कृषि, महिला कल्याण, समाज कल्याण, आयुष, स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, पुलिस विभाग, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 तथा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम सहित अनेक योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई। इसके साथ ही विभिन्न फूड स्टालों पर आगंतुकों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद लिया।

ट्रक से टकराई कार, तीन घायल

नोएडा। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र के नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर ओवरटेक लेन में खड़े ट्रक से कार टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन युवक घायल हो गए। कार मालिक ने ट्रक चालक के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुट गई है। घायलों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

थाने में दी शिकायत में हरियाणा के झज्जर गांव निवासी गौरव ने बताया कि इसी माह की नौ तारीख को वह साथी विशाल और रवि के साथ कार से घर जा रहे थे। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर परी चौक से दिल्ली की ओर चले। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में मार्ग पर ओवरटेक लेन में पंजाब नंबर का ट्रक खड़ा था। उनकी कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में तीनों दोस्त घायल को गए। टक्कर से कार के आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों ने तीनों घायलों को नजदीक के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। अस्पताल से छुट्टी मिलने पर गौरव ने मामले की शिकायत पुलिस से की। गौरव का कहना है कि एक्सप्रेसवे पर गलत तरीके से ट्रक खड़ा करने के कारण ही हादसा हुआ। गनीमत रही कि जिस समय कार ट्रक से टकराई, गति काफी कम थी। पुलिस ने बेतरकीब तरीके से वाहनों को सड़क पर खड़ा करने वालों पर कार्रवाई करने की बात कह रही है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को ट्रक का नंबर भी उपलब्ध कराया है।

शिकायत करने के तरीके बताए

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं के बारे में बताया। विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। जिले के तीनों जोन के थाना क्षेत्रों में अभियान के तहत महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि अगर वह घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है तो शिकायत कहां और कैसे करनी है।

दंपती के साथ मारपीट मामले में रिपोर्ट दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने रास्ते में घेर कर दंपती के साथ मारपीट मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश के लिए दबिशें दी जा रही है। आरोपी दंपती को अधमरी हालत में धमकी देकर फरार हो गए थे।

मूल रूप से बुलंदशहर के पहासु में रहने वाले कपिल परिवार के साथ सूरजपुर में रह कर एक फैक्ट्री में काम करते हैं। तीन जनवरी को किसी बात को लेकर उनका सूरजपुर निवासी जहीर, कबीर, करीद व शाहिद से विवाद हो गया था। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी। 10 जनवरी की रात करीब आठ बजे पत्नी करिश्मा के साथ बाइक पर सूरजपुर से पहासू जा रहे थे। आरोप है कि चारों आरोपियों ने रास्ते में घेर कर उन्हें रोक कर गाली गलौज किया।

विरोध करने पर लातघूसों से पीट कर गंभीर घायल कर दिया। आसपास के लोगों का आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित ने आरोपितों पुलिस को तहरीर देकर जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया जांच में मिले तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सोते समय युवक का मोबाइल व नगदी चोरी

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र निवासी युवक के मोबाइल और रुपए चोरी हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया है। शाहबेरी निवासी रितिक कुमार साई गार्डन में संचालित अकरम फर्नीचर हाउस में कामगार है। 19 जनवरी की रात ड्यूटी समाप्त कर वह परिसर में ही सो गया। अगली सुबह उठा तो उसके दो मोबाइल फोन, आठ हजार रुपए और लकड़ी काटने वाली कटर मशीन चोरी होने की जानकारी हुई। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा।

लोडर वाहन चोरी कर ले गए चोर

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र से टाटा कंपनी का लोडर वाहन चोर चुरा ले गए। तिलपता निवासी नरेंद्र भाटी 18 जनवरी को लोडर वाहन लेकर औद्योगिक क्षेत्र में सी- 18 स्थित फैक्ट्री के सामने पहुंचा था। शाम करीब तीन बजे वह वाहन छोड़ कर किसी काम से चला गया। कुछ देर बाद लौटा तो वाहन गायब मिला। काफी तलाश के बाद नहीं मिलने पर वाहन चोरी होने की जानकारी हुई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर चोरी वाहन बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने पर तीन के खिलाफ केस

ग्रेटर नोएडा। गैंग्स्टर के आरोपी की जमानत में वाहन के फर्जी कागज प्रस्तुत कर अदालत को गुमराह करने वाले तीन आरोपियों के खिलाफ सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

जमानत में प्रस्तुत वाहन के कागजात का एआरटीओ कार्यालय से सत्यापन कराने पर जालसाजी सामने आई है। जानकारी के अनुसार अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, तृतीय अदालत की अदालत गैंग्स्टर एक्ट के आरोपित उमरदराज की जमानत होनी थी। उनके जमानती दिल्ली की आरपीएस कालोनी निवासी जगमोहन गुप्ता ने जमानत के तौर पर दो पहिया वाहन के कागजात प्रस्तुत किए थे। कोर्ट ने दिल्ली स्थित आरटीओ कार्यालय से वाहन के कागजात की जांच कराई तो फर्जी होने की जानकारी हुई। मामले को न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुए आरोपियों के

खिलाफ कार्रवाई के लिए सूरजपुर कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। कोर्ट के वरिष्ठ बाबू नवीन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपी संगठित गिरोह बनाकर अदातल में जमानत में जालसाजी कर फर्जी कागजात लगाते हैं। अदातल को गुमराह करने के मामले में कड़ी कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने उमरदराज और जगमोहन गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। नवीन कुमार ने इसी अदालत में जमानत के एक अन्य मामले में भी आरोपी तुन व जगमोहन गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेनो के तीन सेक्टरों में नर्सरी विकसित करेगा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा को और अधिक हरा- भरा बनाने के लिए शहर के तीन सेक्टरों में नर्सरी विकसित की जाएगी। इसके लिए जगह चिन्हित कर प्राधिकरण ने रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) जारी किया है। इच्छुक एजेंसियों से चार फरवरी तक प्रस्ताव मांगे गए हैं। इससे हरियाली के साथ प्राधिकरण की आमदनी भी बढ़ेगी।

> शहर को स्वच्छ व हरा भरा बनाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नए हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। तीन नई नर्सरी विकसित की जाएगी। इसके लिए आरएफपी जारी कर इच्छुक एजेंसियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। इससे पर्यावरण संतुलन के साथ-साथ नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिल सकेगा।
>
> *-श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण*

प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक शहर में हरियाली बढ़ाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए हरित क्षेत्र में पौधरोपण के साथ नर्सरी की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इसके तहत सेक्टर अल्फा-1 के जी ब्लॉक में 15,769 वर्गमीटर क्षेत्रफल में नर्सरी स्थापित की जाएगी। इसके लिए आरक्षित मूल्य 7.75 लाख रुपये तय किया गया है। वहीं, सेक्टर अल्फा-2 के जी ब्लॉक में 23,785 वर्ग मीटर क्षेत्र में नर्सरी शुरू करने की योजना है, जिसका आरक्षित मूल्य करीब 11.75 लाख रुपये रखा गया है। इसके अलावा सेक्टर टेकजोन-4 में 6,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में भी नर्सरी विकसित की जाएगी। इसका आरक्षित मूल्य करीब तीन लाख रुपये निर्धारित किया गया है। चयनित एजेंसी को नर्सरी के रखरखाव और संचालन के लिए पांच साल के लिए दिया जाएगा।

अधिकारी के मुताबिक यदि एजेंसी का कार्य संतोषजनक पाया गया तो तीन साल का समय और बढ़ाया जा सकता है। इससे प्राधिकरण को कमाई भी होगी और हरियाली भी बढ़ेगी। बता दें कि अभी ग्रेटर नोएडा में कुल नौ नर्सरी संचालित की जा रही हैं। इनमें से सेक्टर ईटा-1 स्थित नर्सरी की देखरेख प्राधिकरण खुद करता है,बाकी निजी एजेंसियों द्वारा संचालित की जाती हैं। नर्सरी के लिए ऐसी जमीन दी जाती है,जिस पर निर्माण कार्य नहीं हो सकता। हाईटेंशन लाइन के नीचे की जमीन पर कई नर्सरी संचालित की जा रही हैं। हरियाली को बढ़ावा मिलेगा प्राधिकरण की इस पहल से न केवल शहर में हरियाली बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

भारत की उन्नति का प्रतीक 77 वां गणतंत्र दिवस

देश आज एक और संविधान दिवस के उत्सव के मुहाने पर खड़ा है। 75 साल के संवैधानिक सफर में भारत गणराज्य ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। 21वीं सदी में दुनिया बहुत तेजी से बदली है। हाल ही में पूरी दुनिया युद्ध की विभिषिका देख रही है। जो आने वाले वैश्विक संकट की ओर एक इशारा है। कई मुल्कों में लोकतंत्र की आड़ में सत्ता पर काबिज होने के कुत्सित प्रयास भी हो रहे हैं। भविष्य में इस तरह के सत्ता संघर्ष अधिक देखने को मिल सकते हैं। जहां तक लोगों के संवैधानिक हकों की बात है भारत में स्थिति पड़ोसी मुल्कों के मुकाबले काफी बेहतर है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन का दावा है कि मौजूदा दौर में दुनिया में हर पांच में से चार यानी 80 फीसदी मजदूर बेरोजगारी व भूख से प्रभावित हैं। दुनिया में ऐसे परिवारों की संख्या में भी इजाफा होता जा रहा है जो भुखमरी की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके विपरित भारत तेजी से आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में दुनिया के देशों के सकल उत्पादन की वृद्धि दर का अनुमान प्रस्तुत किया है। जिसमें भारत की आर्थिक वृद्धि 2026 में 6.3 प्रतिशत और 2027 में 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि यह अनुमान कैलेंडर वर्ष पर आधारित है। यह अनुमान देश की मजबूत घरेलू मांग, निवेश गतिविधियों में निरंतरता और संरचनात्मक सुधारों के चलते लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने की स्थिति में है और आने वाले वर्षों में यह दुनिया की तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बनी रह सकती है। रिपोर्ट में महंगाई के मोर्चे पर वैश्विक स्तर पर भले ही राहत की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही लेकिन भारत के परिप्रेक्ष्य में अनुमान लगाया गया है कि भारत में महंगाई दर में गिरावट की संभावना है। हाल का एक अध्ययन बताता है कि साल 2030 तक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था देश की कुल अर्थव्यवस्था का लगभग 5वां हिस्सा बन जाएगी। यह तेजी से बढ़ोतरी उन उद्योगों की वजह से होगी जो टेक्नॉलजी की मदद से काम कर रहे हैं, और इनकी सालाना विकास दर करीब 17.3 फीसदी होगी। यह आंकड़ा बताता है कि भारत में एक बड़ा बदलाव हो रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तकनीकी विकास के क्षेत्र में बेहतरीन परिवर्तन देखा है। जिसने भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है।

भारतीय कारीगर भी प्रसन्न नहीं थे क्योंकि इस नवीन शासन ने जबरदस्ती उनकी औद्योगिक कलाओं का विनाश कर डाला था। औद्योगिक श्रमिक भी असंतुष्ट थे, क्योंकि ब्रिटिश सरकार पूंजीपतियों का ही पक्ष लेती थी। मध्यम वर्ग एवं बुद्धिजीवियों ने भी ब्रिटिश शासन के बुरे परिणामों को तीव्र रूप से महसूस किया। दादा भाई नौरोजी एवं राणाडे जैसे मध्यम वर्गीय बुद्धिजीवियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ब्रिटिश शासन भारतीय आर्थिक विकास के प्रतिकूल है। भारतीय पूंजीपतियों में भी यह विश्वास जगा था कि भविष्य में उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करना पड़ेगा, वरन उनका स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता है। इन तथ्यों के अतिरिक्त अंग्रेजों का घमंडी व्यवहार प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को जागरूक बना दिया था। अतएव 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में एक शक्तिशाली साम्राज्य विरोधी आंदोलन प्रारंभ हुआ। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, क्योंकि इसमें भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग अपने आपसी द्वेष को भूलकर एक हो गए और ब्रिटिश राज्य का विरोध करने लगे।

भारत के गणतंत्र दिवस का इतिहास

-संजय गोस्वामी-

मौलिक तौर पर भारतीय राष्ट्रवाद का उदय विदेशी शासन के विरूद्ध हुआ। अंग्रेजों ने भारत पर अपना आधिपत्य अपने हितों की बढ़ोत्तरी के लिए स्थापित किया था, न कि भारतीयों की उन्नति के लिए। अतएव दोनों पक्षों के बीच संघर्ष अवश्यंभावी ही था। अंग्रेजी शासन भारत के आर्थिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण बन गया था। भारत का हर सामाजिक वर्ग किसी न किसी ढंग से इस हुकूमत के अधीन पीड़ति हो रहा था। किसान भूराजस्व का भागीदार सह नहीं सकते थे और न ही जमींदारों और सूदखोरों के अत्याचार को, जिन्हें अंग्रेजी प्रशासन सुरक्षा प्रदान कर रहा था।

भारतीय कारीगर भी प्रसन्न नहीं थे क्योंकि इस नवीन शासन ने जबरदस्ती उनकी औद्योगिक कलाओं का विनाश कर डाला था। औद्योगिक श्रमिक भी असंतुष्ट थे, क्योंकि ब्रिटिश सरकार पूंजीपतियों का ही पक्ष लेती थी। मध्यम वर्ग एवं बुद्धिजीवियों ने भी ब्रिटिश शासन के बुरे परिणामों को तीव्र रूप से महसूस किया। दादा भाई नौरोजी एवं राणाडे जैसे मध्यम वर्गीय बुद्धिजीवियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ब्रिटिश शासन भारतीय आर्थिक विकास के प्रतिकूल है। भारतीय पूंजीपतियों में भी यह विश्वास जगा था कि भविष्य में उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करना पड़ेगा, वरन उनका स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता है। इन तथ्यों के अतिरिक्त अंग्रेजों का घमंडी व्यवहार प्रत्येक स्वाभिमानी भारतीय को जागरूक बना दिया था। अतएव 19वीं शताब्दी के अंत तक भारत में एक शक्तिशाली साम्राज्य विरोधी आंदोलन प्रारंभ हुआ। यह एक राष्ट्रीय आंदोलन था, क्योंकि इसमें भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग अपने आपसी द्वेष को भूलकर एक हो गए और ब्रिटिश राज्य का विरोध करने लगे। एक प्रकार से देखा जाए तो अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन अनजाने में ही प्रारंभ करा दिया। यद्यपि अंग्रेज रेल डाक एवं समस्त प्रशासन का विकास अपने हित में किए थे। संचार एवं यातायात की इन सुविधाओं से भारतीय एक दूसरे के निकट आ सके और आंदोलन को इससे गति मिली। पश्चिमी विचारधारा एवं शिक्षा के फलस्वरूप अनेक भारतीयों ने राजनीति का आधुनिक दृष्टिकोण अपनाया और इस योग्य भी हो सके कि ब्रिटिश शासन की शोषण करने वाली प्रकृति को पहचाने। इस शिक्षा के कारण ही भारत में अनेक नेता पैदा हुए, जिन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया। भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में समाचार पत्रों का भी योगदान कम नहीं है, विशेषकर देशभक्त के संदेश को प्रचार करने में। उस समय कुछ प्रमुख राष्ट्रवादी समाचार पत्र 'दि हिन्दु', 'अमृत बाजार पत्रिका', 'दि इंडियन मिरर' इत्यादि थे। इसी प्रकार राष्ट्रीय चेतना राष्ट्रवादी साहित्य से भी उत्तेजित हुई।

बंकिम चन्द्र चटर्जी, रविन्द्रनाथ टैगोर, भारतेन्तु हरिशचन्द्र, विष्णु शास्त्री 'चिपलंकार' इत्यादि के साहित्य रचनाओं का राष्ट्रवादी चेतना के विकास में अत्यधिक योगदान है। यद्यपि अंग्रेजों ने यह जताना चाहा था कि भारतीयों में राष्ट्रीय स्वशासन चलाने की योग्यता नहीं है। कुछ भारतीयों (नेताओं) और लेखकों ने यह विश्वास लगाया कि भारतीय परम्परा एवं संस्कृति प्राचीन समय से ही बड़ी विकसित रही है और अंग्रेजों को यहाँ कुछ सिखाने की आवश्यकता नहीं है। उसी समय राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने अशोक चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य, अकबर इत्यादि की उपलब्धियों एवं अशोक चन्द्रगुप्त को बेमिसाल बताया। भारतीय प्राचीन विज्ञान, राजनीति दर्शन स्थापत्य कला इत्यादि को भी अद्वितीय बताया गया जिससे भारतीयों में अपनी संस्कृति एवं परम्परा के प्रति गौरव पैदा हुआ। उपर्युक्त कारणों के चलते 1870-80 दशक तक ऐसा प्रतीत होने लगा कि भारतीय राष्ट्रवाद सबल ढंग से प्रारंभ हो चुका है। परन्तु वह लार्ड लिटन का प्रतिक्रियावाद शासन था, जिसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद एक संगठित रूप धारण किया। इसके शासन के समय ब्रितानी कपड़ों पर से सभी चुंगियां उठा ली गईं। इससे भारतीय उत्पादकों को बेहद हानि पहुंची और अंग्रेजों के विरूद्ध क्रोध की एक लहर दौड़ गई।

लिटन के शासन के समय दूसरा अफगान युद्ध भी अत्यधिक खर्चीला रहा। भारतीयों को बंदूक की लाइसेंस मिलना कठिन बना दिया गया। इससे भारतीय राष्ट्रवादियों ने यह समझा कि अंग्रेज समस्त राष्ट्र को नपुंसक बनाना चाहते हैं। इसी प्रकार जब वरनाकुलर प्रेस ऐक्ट द्वारा देश भक्तों की आवाज मौन करने का प्रयत्न किया गया तो इससे साम्राज्य विरोधी भावना और भी तीव्र हुई। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा लाला लाजपत राय ने मैजिनी, गैरीबाल्डी और उनके द्वारा आरम्भ किए गये. इस यूरोपीय राष्ट्रवाद ने उभरते हुए भारतीय राष्ट्रवाद को बहुत हद तक प्रभावित किया 1877 की दिल्ली दरबार की फिजूलखर्ची से भारतीय अत्यधिक प्रभावित हुए। क्योंकि यह फिजूलखर्ची उस समय की गई, जब भारत में एक भीषण अकाल पड़ा था और लाखों लोगों की जानें जा रही थीं। लगभग इसी समय आई.सी.एस. की परीक्षा भी भारतीयों के लिए कठिन बना दी गई, जब परीक्षा के लिए उम्र सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई। कहा जाता है कि यदि लिटन ने साम्राज्यवाद विरोधी चेतना को तीव्र बनाया तो इलबिर्ट बिल मतभेद ने भारतीय राष्ट्रवाद को संगठित कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को जन्म दिया। कानून संबंधित यह विवाद लिटन के बाद वायसराय लार्ड रिपन के समय आरंभ हुआ। लार्ड रिपन ने भारतीय जिला पदाधिकारी एवं सक्षम न्यायाधीशों की शक्ति को बढ़ाना चाहा। उन्हें यूरोपीयों के फौजदारी मुकदमों की सुनवाई का भी अधिकार दिया। परन्तु इस प्रस्ताव का यूरोपीय समुदाय ने शक्तिशाली विरोध किया। अंततः प्रशासन को इनकी बात माननी पड़ी और कानून प्रस्ताव वापस लेना पड़ा। इस प्रशासन को ला मेम्बर इलवर्ट ने प्रस्तुत किया था। इसलिए इसे इलवर्ट बिल विवाद कहा जाता है। इस विवाद से भारतीयों को यह स्पष्ट हो गया कि अंग्रेज उनसे घृणा करते हैं और हेय दृष्टि से देखते हैं। परन्तु यूरोपीयों के इलवर्ट विरोधी आंदोलन को देखकर भारतीयों ने भी यह प्रेरणा पाई कि अगर उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन में सफल होना है तो उन्हें संगठित होकर बिना हिम्मत हारे एक लम्बा संघर्ष चलाना पड़ेगा। उपर्युक्त कारणों से 19वीं शताब्दी के अंत तक भारतीय राष्ट्रवाद की उत्पत्ति तो हो ही चुकी थी।

परन्तु इसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना में पाई जाती है जो 1885 में हुई। इसके पूर्व भी क्षेत्रीय एवं वर्ग स्तर पर साम्राज्यवाद विरोधी संगठन बनाए जा रहे थे। परन्तु राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में भारतीयों में राष्ट्रीय राजनीतिक चेतना का विकास बहुत तीव्र गति से हुआ फलस्वरूप भारत में एक संगठित राष्ट्रीय आन्दोलन का सूत्रपात हुआ भारतीय राष्ट्रवाद कुछ सीमा तक उपनिवेशवादी नीतियों तथा उन नीतियों से उत्पन्न भारतीय प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप ही उभरा था पाश्चात्य शिक्षा का विस्तार मध्यवर्ग का उदय रेलवे का विस्तार तथा सामाजिक-धार्मिक आन्दोलनों ने राष्ट्रवाद की भावना के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई भविष्य में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष भिन्न-भिन्न कारणों से अपने भिन्न-भिन्न चरणों में और भी तीव्र होता गया। यद्यपि, 19वीं शताब्दी का भारत भाषा, धर्म, प्रदेश आदि के आधार पर विभाजित था तथा ब्रिटिश शासकों ने इस आधिपत्य स्थापित करने के लिए इस फूट का भरपूर लाभ भी उठाया, तथापि भारत एक भौगोलिक इकाई मात्र नहीं था।

मिलेनियल युवाओं पर भाजपा का फोकस

-एस. सुनील-

भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चयनित किया गया तो कई प्रकार से इसकी व्याख्या हुई। उनको एक ऐसे दल का नेतृत्व मिला है, जिसकी सरकार देश में है और देश के ज्यादातर राज्यों में भी है। नितिन नबीन को 14 करोड़ से ज्यादा सदस्यों वाली पार्टी मिली है। देश के सभी जिलों में पार्टी का अपना कार्यालय है, जहां से जमीनी राजनीतिक गतिविधियां संचालित होती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा इस समय दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है और उसका आधार पूरे देश में फैल गया है। परंतु यह सारी उपलब्धियां भाजपा ने धैर्य के साथ और अपने महान नेताओं के परिश्रम से प्राप्त की है। नितिन नबीन को उन महान नेताओं की उपलब्धियों को न सिर्फ बनाए रखना है, बल्कि उसका विस्तार भी करना है। इसलिए नितिन नबीन को जो मिला है, व्यापकता की दृष्टि से उसका आकलन करते हुए इस बात का भी विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि इसकी निरंतरता कायम रखने के लिए कितना परिश्रम करना होगा और उसके रास्ते में क्या चुनौतियां आएंगी।

भारतीय जनता पार्टी ने इन चुनौतियों को ध्यान में रख कर ही नितिन नबीन जैसे युवा, मेहनती और जमीनी राजनीति की गंभीरता व जटिलता को समझने वाले नेता को अध्यक्ष बनाया है। उन्होंने पद संभालते है इसका परिचय भी दिया। उन्होंने पार्टी मुख्यालय में सभी पदाधिकारियों के साथ लगातार नौ घंटे की मैराथन बैठक की, जिसमें एक समय जेपी नड्डा भी शामिल हुए और संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी उपस्थित रहे। वास्तविकता यह है कि नितिन नबीन के सामने संगठन के विस्तार की निरंतरता कायम रखने की चुनौती है तो साथ ही जितने प्रदेशों में भाजपा और एनडीए की सरकार है उन प्रदेशों की सरकारों की पुनर्वापसी सुनिश्चित करते हुए नए प्रदेशों में सत्ता प्राप्त करने की चुनौती भी है। बदलती हुई राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप भाजपा को तैयार करने की भी एक बड़ी चुनौती है। निश्चित रूप से उनको भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं और संगठन के साथ साथ राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का सक्रिय सहयोग प्राप्त होगा। आखिर वे भी स्वंयसेवक रहे हैं और संघ के आदर्शों के अनुरूप राजनीति की है। तभी उनके निर्विरोध चयन में संघ की सहमति भी सम्मिलित है।

पहले बदलती परिस्थितियों की ही बात करें तो स्पष्ट दिख रहा है कि भारतीय जनता पार्टी अपने को जेन जी और मिलेनियल युवाओं के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चयन की घोषणा के लिए आयोजित संगठन पर्व में कहा कि नितिन नबीन एक तरह से मिलेनियल युवा हैं। ध्यान रहे भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। इसलिए भाजपा ने युवाओं की आकांक्षा और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को बनाना शुरू किया है। तभी उसने अपने सभी 16 हजार मंडल अध्यक्ष 45 साल से कम उम्र के बनाए हैं। कह सकते हैं कि 45 साल के राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस रूपांतरण को सहज तरीक से क्रियान्वित करने का उत्तरदायित्व पूरा करना है। मंडल से लेकर प्रदेश और केंद्र तक साथ ही स्थानीय निकायों से लेकर राज्य तक में युवाओं का नेतृत्व स्थापित हो और पार्टी के पुराने नेताओं के साथ समन्वय बना कर काम किया जाए, यह सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊपर होगी।

बहुत जल्दी देश में जनगणना का कार्य शुरू होने वाला है। पहले आवासों की गणना होगी और अगले साल जाति के साथ व्यक्तियों की गिनती होगी। 1931 के बाद पहली बार जातीय गणना होने वाली है। देश के सैकड़ों जातियों की जनसंख्या के आंकड़े सामने आएंगे। उसका गुणात्मक प्रभाव देश की राजनीति पर पड़ेगा। सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर व्यापक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी को इस बदलाव के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए तैयार करने का काम नए नेतृत्व को करना है। ध्यान रहे भाजपा को लेकर एक समय यह धारणा रही थी कि वह ब्राह्मणों और वैश्यों की पार्टी है। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद वह धारणा बदली है। भाजपा पूरे देश में व्यापक हिंदुत्व की धारणा स्थापित करने में कामयाब रही है और हिंदुत्व के साथ जातियों का बहुत अच्छा समन्वय स्थापित किया है। मंडल और कमंडल की राजनीति का जो विभाजन नब्बे के दशक से चला आ रहा था उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त कर दिया है। अब मंडल और कमंडल दोनों एक हैं और यही कारण है कि कांग्रेस व समस्त प्रादेशिक पार्टियों को भाजपा के हाथों इतनी करारी हार झेलनी पड़ रही है। इस जुड़ाव को और मजबूत करने की जिम्मेदारी नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के ऊपर है।

जनगणना के बाद तीन बड़ी परिघटना होने वाली है। पहली तो 'एक देश, एक चुनाव' की तैयारी है। दूसरी महिला आरक्षण लागू होना है और तीसरी परिसीमन किया जाना है। 'एक देश, एक चुनाव' के लिए संविधान में संशोधन का विधेयक पेश किया जा चुका है, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। संसद से कानून पास होने के बाद इसे लागू किया जाएगा। उसके लिए भाजपा संगठन को और शक्तिशाली करने की आवश्यकता होगी। उसके साथ ही संभव है कि नारी शक्ति वंदन कानून को भी लागू किया जाए, जिसके तहत महिलाओं के लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएंगी। परिसीमन और महिला आरक्षण दोनों चुनौतीपूर्ण कार्य है। दक्षिण भारत में परिसीमन का विरोध हो रहा है और इसे उत्तर बनाम दक्षिण का मुद्दा बनाने की कोशिश हो रही है। इस मुद्दे को प्रभावी तरीके से रोकने का काम भाजपा को करना है। भाजपा संगठन की यह जिम्मेदारी होगी वह उत्तर से दक्षिण तक आम लोगों को भरोसा दिलाए कि परिसीमन से किसी के अधिकार में कटौती नहीं हो रही है और न किसी प्रदेश की राजनीतिक हैसियत घटाई जा रही है। सभी राज्यों का पहले की तरह सम्मान और महत्व बना रहेगा। इसी तरह महिला आरक्षण का लाभ सिर्फ उच्च वर्ग की महिलाओं को मिलेगा, इस पुरानी धारणा के जवाब में भी भाजपा को देश भर में जागरुकता अभियान चलाना होगा और सभी जातीय समूहों को भरोसा दिलाना होगा।

इसके बाद नए भाजपा अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक है। इस समय 14 राज्यों में भाजपा की सरकार है यानी भाजपा का अपना मुख्यमंत्री है और छह अन्य राज्यों में सहयोगी पार्टी की सरकार है। यानी 20 राज्यों में एनडीए की सरकार है। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले 16 राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, जिनमें से नौ राज्यों में भाजपा की सरकार है। इसके बाद लोकसभा के साथ तीन राज्यों के चुनाव होंगे और लोकसभा के तुरंत बाद तीन और राज्यों के चुनाव होंगे। उन छह राज्यों से चार में भाजपा की सरकार है और एक राज्य में सहयोगी पार्टी की सरकार है।

हाटेश्वरी मंदिर में बांधकर रखा गया है कलश

हिमाचल प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पर अक्सर लोग घूमने-फिरने जाते हैं। लेकिन यहां पर ऐसे कई फेमस और प्राचीन मंदिर हैं, जिससे जुड़ी कई स्थानीय मान्यताएं और लोककथाएं मौजूद हैं। हिमाचल प्रदेश में एक हाटेश्वरी मंदिर है, जिसका इतिहास पांडवों से जुड़ा हुआ माना जाता है। जिसके साक्ष्य आज भी मंदिर में देखने को मिलते हैं। हालांकि इस मंदिर के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। हिमाचल प्रदेश के शिमला से 130 किमी की दूरी पर हाटेश्वरी माता का मंदिर है। यह मंदिर हिमाचल प्रदेश के पब्बर नदी के किनारे बसा एक प्राचीन गांव है। इस मंदिर में दूर-दूर से लोग दर्शन के लिए आते हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश के शिमला में जुब्बल-कोटखाई तहसील में माता हाटेश्वरी मंदिर स्थित है। यहां पर हाटकोटी मां की पूजा की जाती है। यहां के स्थानीय लोगों का मानना है कि देवी उनके सभी दुखों का निवारण करती हैं। वहीं मंदिर के गर्भगृह में मां हाटकोटी की एक विशाल मूर्ति है। जोकि महिषासुर का वध कर रही हैं। यही वजह है कि हाटकोटी मां को महिषासुर मर्दिनी के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मां का दाहिना पैर भूमिगत है। इसके साथ ही मंदिर परिसर में भगवान शिव का एक मंदिर भी स्थापित है। बता दें कि मंदिर के प्रवेश द्वार के बाईं ओर विशाल कलश को जंजीर से बांधकर रखा जाता है। जिसको स्थानीय भाषा में चरू कहा जाता है। लोक मान्यताओं के मुताबिक जब भी पब्बर नदी में बाढ़ की स्थिति बनने लगती है, तो यह कलश काफी जोर-जोर से सीटियां भरता है और भागने की कोशिश करता है। जिसके वजह से मंदिर के कलश को जंजीर से बांधकर रखा जाता है। बताया जाता है कि मंदिर में एक और कलश भी हुआ करता है, जोकि भाग निकला। लेकिन मंदिर के पुजारी ने दूसरे कलश को पकड़ लिया और जंजीरों से बांध दिया। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस मंदिर में स्थित कुछ स्मारक पांडवों द्वारा बनाए गए थे। पौराणिक मान्यता है कि अज्ञातवास के दौरान इस स्थान पर पांडवों का आना हुआ था। इस दौरान उन्होंने यहां पर कुछ समय बिताया था। जिसके प्रमाण आज भी मंदिर में देखने को मिलते हैं।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1666 - फ्रांस ने इंग्लैड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1841 - हांगकांग ब्रिटिश कब्जे में चला गया।
1845 - ब्रिटिश जनरल चार्ल्स गार्डन सूडान में मारे गये।
1930 - ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भारत में पहली बार स्वराज दिवस मनाया गया।
1931 - हंगरी और ऑस्ट्रिया ने 'शांति संधि' पर हस्ताक्षर किये।
1931 - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' के दौरान ब्रिटिश सरकार से बातचीत के लिए महात्मा गांधी रिहा किये गए।
1934 - जर्मनी और पौलैंड के बीच दस वर्षीय अनाक्रमण संधि हुई।
1950 - भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ और भारत का संविधान लागू हुआ।
1950 - स्वतंत्र भारत के पहले और अंतिम गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने अपने पद से त्यागपत्र दिया और डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के पहले राष्ट्रपति बने।
1950 - उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित अशोक स्तंभ के शेरों को राष्ट्रीय प्रतीक की मान्यता मिली।
1950 - वर्ष 1937 में गठित भारतीय संघीय न्यायालय ('फैडेरल कोर्ट ऑफ इंडिया') का नाम सर्वोच्च न्यायालय ('सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया') कर दिया गया
1950 - भारत का युद्ध पोत एच.एम.आई.एस. दिल्ली आई.एन.एस. दिल्ली के रूप में बदल दिया गया।
1963 - मोर के अद्भुत सौंदर्य के कारण भारत सरकार ने 26 जनवरी को इसे राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया।
1972 - युद्ध में शहीद सैनिकों की याद में दिल्ली के इंडिया गेट पर 'अमर जवान राष्ट्रीय स्मारक' की स्थापना की गयी।
1981 - पूर्वोत्तर भारत में हवाई यातायात सुगम बनाने को ध्यान में रखते हुए हवाई सेवा वायुदूत प्रारम्भ हुई।
1982 - पर्यटकों को विलासितापूर्ण रेल यात्रा का आनंद दिलाने के लिए भारतीय रेल ने पैलेस ऑन व्हील्स सेवा शुरू की।
1991 - इराक ने अपने सात विमान ईरान भेजे।
1992 - मारीटानिया में विपक्ष के प्रदर्शकारियों पर पुलिस की गोली से अनेक लोग घायल हुए।

भारत का बजट तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों की कसौटी

-कांतिलाल मांडोत-

फरवरी की पहली तारीख को पेश होने वाला आम बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं होगा, बल्कि यह उस दिशा का संकेत देगा, जिस ओर भारत अगले दशक में बढ़ना चाहता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब भारत की नजर तीसरे स्थान पर है और इसी लक्ष्य की नींव रखने वाला यह बजट माना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, बदलती भू-राजनीति, संरक्षणवाद के बढ़ते रुझान और अमेरिकी टैरिफ नीति जैसी चुनौतियों के बीच भारत को संतुलन साधते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे समय में बजट से उम्मीदें भी बहुत हैं और आशंकाएं भी। पिछले दस बारह वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तेजी से आकार बढ़ाया है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत आज चौथे पायदान पर है और 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आने वाले तीन बजट बेहद अहम माने जा रहे हैं और मौजूदा बजट उसी श्रृंखला की पहली मजबूत कड़ी बन सकता है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि विकास की गति को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर भारत, निर्यात वृद्धि और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ता सार्वजनिक कर्ज। देश पर कर्ज का बोझ अब एक ऐसे स्तर पर पहुंच चुका है, जहां उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। पिछले एक दशक में कुल कर्ज 53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 185 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और अनुमान है कि मार्च 2026 तक यह 196 से 200 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकता है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक तथ्य यह है कि हर साल लगभग 12 लाख करोड़ रुपये केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। यानी सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा विकास कार्यों की बजाय पुराने कर्ज की भरपाई में चला जाता है। यह स्थिति लंबे समय में विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, अगर उसका इस्तेमाल उत्पादक क्षेत्रों में किया जाए। समस्या तब खड़ी होती है, जब कर्ज का बोझ इतना बढ़ जाए कि वह नीतिगत फैसलों की स्वतंत्रता को सीमित करने लगे। भारत आज विश्व बैंक से कर्ज लेने वाले देशों में अग्रणी है और दुनिया के बड़े कर्जदार देशों में सातवें स्थान पर है। भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देश भारत से कहीं अधिक कर्जदार हों, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए कर्ज का संतुलन बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्ज नियंत्रण की स्पष्ट रणनीति सामने रखेगी।

बजट का आकार भी अपने आप में एक बड़ा संकेत है। पिछले बारह साल में केंद्र सरकार का बजट 15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। इस साल इसमें करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी बताती है कि सरकार विकास के लिए खर्च करने को तैयार है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह खर्च टिकाऊ वित्तीय ढांचे के साथ किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, निर्माण, रक्षा उत्पादन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस पहले से रहा है और आगे भी इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। चुनौती यह है कि इन निवेशों से वास्तविक रोजगार और उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए।

वैश्विक परिदृश्य भी इस बजट को खास बनाता है। अमेरिका और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवादी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ रहा है। टैरिफ को कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति ने निर्यात-आयात के समीकरणों को जटिल बना दिया है। भारत के लिए यह खतरा भी है और अवसर भी। अगर सही नीतियां अपनाई जाएं, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। इसके लिए बजट में निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई को सस्ता कर्ज और तकनीकी उन्नयन जैसे कदम अहम हो सकते हैं। रक्षा क्षेत्र भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से हो रही है। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। सरकार पहले ही इस दिशा में कई कदम उठा चुकी है, लेकिन बजट के जरिए इस रफ्तार को और तेज किया जा सकता है।

आम आदमी की नजर से देखें तो बजट की सबसे बड़ी कसौटी राहत की उम्मीदों पर टिकी है। आयकर दाताओं को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की आस है, वहीं महंगाई से जूझ रहे मध्यम और गरीब वर्ग को रोजमर्रा की चीजों में राहत चाहिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल ने ज्वेलरी उद्योग को संकट में डाल दिया है। सट्टेबाजी का बाजार गरम है और इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह बाजार में स्थिरता लाने के उपाय करे।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस बजट का अहम हिस्सा होंगी। देश की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ग्रामीण मांग मजबूत हुए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, भंडारण और मार्केटिंग व्यवस्था को सुधारने के लिए बजट में ठोस प्रावधान जरूरी हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना भी दीर्घकालीन विकास के लिए अनिवार्य है।

यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारत आशा और निराशा के एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ पूरी हो चुकी है, लेकिन तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता अभी चुनौतीपूर्ण है। कर्ज, वैश्विक अनिश्चितताएं और घरेलू मांग की मजबूती इन सबके बीच संतुलन साधना आसान नहीं होगा। फिर भी, अगर बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय के बीच सही तालमेल बैठा पाता है, तो यह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बन सकता है।

अंततः, एक अच्छा बजट वही होता है जो केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में बदलाव लेकर आए। यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है, जहां उम्मीदें भी हैं और चुनौतियां भी। देश की निगाहें टिकी हैं कि सरकार इस मौके को किस तरह अवसर में बदलती है और क्या वाकई यह बजट भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ा पाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व ए-152, सैक्टर 63, नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से प्रकाशित।
संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई.- UPHIN/2023/84499
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पीएम मोदी का देशवासियों के नाम पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर देशवासियों के नाम विशेष पत्र लिखा। जिसमें उन्होंने लोकतंत्र को अधिक सशक्त, समावेशी तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए नागरिकों से विशेष संकल्प लेने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि जब भी आपके घर या मोहल्ले में कोई युवा पहली बार मतदाता बने, तो उसका उत्सव जरूर मनाएं। परिवार और अपार्टमेंट में मिठाई बांटकर जश्न मनाया जाना चाहिए। उनका लोकतंत्र में भरपूर स्वागत होना चाहिए, क्योंकि उनके पास देश के भाग्य को बदलने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने मतदान को मात्र एक अधिकार नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि उंगली पर लगने वाली अमिट स्याही भारत के जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक है।

शिक्षण संस्थानों को लोकतांत्रिक मूल्यों की नर्सरी बताते हुए उन्होंने आग्रह किया कि वे नए मतदाताओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित करें, ताकि उन्हें अपनी जिम्मेदारी का अहसास हो सके। शिक्षण परिसरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर पात्र युवा मतदाता के रूप में पंजीकृत हो। उन्होंने युवाओं की 'कुछ करने' की भावना की सराहना करते हुए उन्हें 'माई भारत प्लेटफॉर्म' से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यह पीढ़ी समय के भरोसे बैठने वाली नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास पर गर्व व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में 1951 में पहले आम चुनाव की शुरुआत हुई थी। इस वर्ष देश इन चुनावों के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है। भारत केवल सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है, जहां संवाद और वाद-विवाद सदियों पुरानी संस्कृति का हिस्सा हैं। इसके अलावा, उन्होंने समावेशी लोकतंत्र के लिए युवा महिलाओं की भागीदारी को नींव की मजबूती के लिए अनिवार्य बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि हिमालय की चोटियों से लेकर, रेगिस्तान, घने जंगलों और अंडमान-निकोबार के द्वीपों तक, हर भारतीय की मतदान के प्रति प्रतिबद्धता दुनिया के लिए प्रेरणा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव प्रबंधन ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र का एक भव्य उत्सव है। लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति मतदाताओं की यह प्रतिबद्धता आने वाले समय के लिए भी बड़ी प्रेरणा होगी।

रायपुर कमिश्नर शुक्ला ने रात 10 बजे अधिकारियों की ली बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 23 जनवरी 2026 से पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू हो गई । बिलासपुर रेंज के आईजी संजीव शुक्ला के पदभार संभालने के दूसरे ही दिन शनिवार की देर रात 10 बजे सिविल लाइन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में शहर की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग की प्राथमिकताओं को साफ तौर पर रखा।

रायपुर कमिश्नरेट के कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने लॉ एंड ऑर्डर पर सख्ती दिखाई है। उन्होंने चालान के नाम पर वाहन स्वामियों को जबरिया परेशान ना करने की नसीहत अधीनस्थ अधिकारियों को दी है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर सहित सभी डिप्टी पुलिस कमिश्नर, एडिशनल डीसीपी, असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर और थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों से परिचय लिया और रायपुर कमिश्नरेट की कार्ययोजना साझा की। उन्होंने शहर में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर जोर देते हुए विजिबल पुलिसिंग, पैदल पेट्रोलिंग और रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना तभी मजबूत होगी, जब पुलिस हर इलाके में दिखाई देगी। कमिश्नर शुक्ला ने चाकूबाजी, नशाखोरी और अड्डेबाजी पर सख्त नियंत्रण के निर्देश दिए।

मणिपुर में बड़े पैमाने पर हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में विभिन्न जिलों में एक साथ चलाए गए अभियानों के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चुराचांदपुर, इम्फाल पश्चिम और इम्फाल पूर्व जिलों में समन्वित तलाशी अभियानों के दौरान अत्याधुनिक हथियारों के साथ-साथ स्थानीय रूप से बनाए गए हथियार, ग्रेनेड, आईईडी और सुरक्षात्मक उपकरण बरामद किए गए। चुराचांदपुर जिले में चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत लोइलामकोट और नालोन के बीच से सुरक्षा बलों ने हथियारों का एक बड़ा जखीरा जब्त किया। इसमें तीन आरपीजी गोला-बारूद, पांच 30 मिमी ग्रेनेड, एक .303 बॉट-एक्शन राइफल, दो मध्यम दूरी की स्थानीय 'पम्पी' तोपें, तीन पम्पी शेल, दो सिंगल-बैरेल राइफल और दस एसबीबीएल कारतूस शामिल हैं, जिससे क्षेत्र में भारी और अवैध हथियारों की मौजूदगी का संकेत मिलता है। इसी दिन इम्फाल पश्चिम जिले के वांगोई थाना क्षेत्र के वाहेंग खुमान मामंग लेइकाई में चलाए गए एक अन्य अभियान में और भी खतरनाक सामग्री बरामद हुई।

जब्त किए गए सामान में दो संशोधित .303 राइफल, मैगजीन सहित तीन पिस्तौल, विभिन्न हथियारों की छह मैगजीन, तीन नंबर-36 उच्च विस्फोटक ग्रेनेड, अलग-अलग कैलिबर के 23 जिंदा कारतूस, एक डेटोनेटर, चार मोर्टार बम शेल, एक आईईडी और लगभग एक किलोग्राम विस्फोटक शामिल है। वहीं, इम्फाल पूर्व जिले के सागोलमंग थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाओत्रोक पहाड़ी श्रृंखला की तलहटी से भी सुरक्षा बलों ने हथियार और सुरक्षात्मक उपकरण बरामद किए। इसमें एक डबल-बैरेल ब्रीच-लोडिंग बंदूक, एक देशी 9 मिमी पिस्तौल (खाली मैगजीन सहित), दो उच्च विस्फोटक हैंड ग्रेनेड, एक प्रैक्टिस राइफल ग्रेनेड, दो इंसास राइफल मैगजीन, 20 जिंदा कारतूस, एक बुलेटप्रूफ हेलमेट, दो बुलेटप्रूफ कवर और दो बुलेटप्रूफ आयरन प्लेट शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि अवैध हथियारों के नेटवर्क पर लगाम लगाने और राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

महाराष्ट्र में बिहार भवन के निर्माण पर राजनति गरमाई

मुंबई। महाराष्ट्र में बिहार भवन के निर्माण पर सूबे में राजनीति गरमा गई है। इसी मुद्दे पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राऊत ने रविवार को कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र भवन होना चाहिए और इसके लिए पटना में पांच एकड़ जमीन बिहार सरकार को महाराष्ट्र सरकार को देना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि बिहार सरकार ने महाराष्ट्र में बिहार भवन का निर्माण करने के लिए निधि का आवंटन कर दिया है। इसका जोरदार विरोध पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता यशवंत किल्लेदार ने किया था और कहा था कि मनसे किसी भी कीमत पर मुंबई में बिहार भवन बनने नहीं देगी। इस पर बिहार के एक मंत्री ने कहा था कि मुंबई में बिहार भवन यहां के मरीजों और उनके रिश्तेदारों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से बनवाया जा रहा है। राज ठाकरे बिहार भवन के निर्माण का विरोध कैसे सकते हैं, वे क्या महाराष्ट्र के राजा हैं। मनसे नेता नितिन सरदेसाई ने कहा कि बिहार सरकार को अनाप शनाप खर्च करने की बजाय ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे उनके राज्य के लोगों को अन्य राज्यों में भटकना न पड़े। बिहार सरकार स्थानीय लोगों को वहीं पर सुविधा देने में विफल हैं और अन्य लोगों पर अनावश्यक टिप्पणी कर रही है।

शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने रविवार को इस मुद्दे पर कहा कि बिहार के मंत्री के बोलने का लहजा गलत है। बिहार सरकार को अगर मुंबई में महाराष्ट्र भवन बनवाना है तो इसके लिए राज्य सरकार को बिहार राज्य को जमीन आवंटित करनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस जमीन आवंटन के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। साथ ही महाराष्ट्र सरकार को बिहार में भी महाराष्ट्र भवन के निर्माण के लिए पटना में पांच एकड़ जमीन की मांग करनी चाहिए।

इसके बाद महाराष्ट्र के शिवसेना शिंदे समूह के नेता संजय सिरसाट ने कहा कि महाराष्ट्र में बिहार भवन बनना सांस्कृतिक आदान-प्रदान का हिस्सा है। इसका किसी को विरोध नहीं करना चाहिए। सिरसाट ने कहा कि दिल्ली में महाराष्ट्र सदन, उत्तरप्रदेश और जम्मू कश्मीर में महाराष्ट्र भवन है। समय आने पर उनकी सरकार बिहार और गुवाहाटी में भी महाराष्ट्र भवन का निर्माण करवाएगी। सिरसाट ने कहा कि इस विषय पर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवसः प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया लोकतंत्र का उत्सव

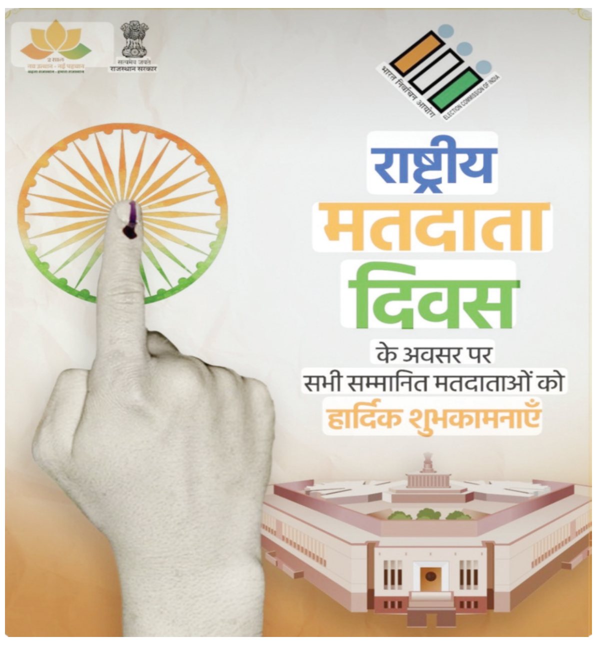

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए लोकतंत्र, मताधिकार और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों के महत्व को बताया। इन नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे लोकतंत्र का उत्सव बताते हुए युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, मतदान प्रणाली की पवित्रता बनाए रखने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता की रक्षा पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास को और गहरा करने का अवसर है। उन्होंने भारतीय निर्वाचन आयोग से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मतदाता होना केवल संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है, जो हर नागरिक को भारत के भविष्य को आकार देने की शक्ति देता है। प्रधानमंत्री ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में निरंतर भागीदारी का आह्वान करते हुए विकसित भारत की नींव मजबूत करने की बात कही।

प्रधानमंत्री ने मतदाता बनने को उत्सव का अवसर बताते हुए कहा कि पहली बार मतदाता बने युवाओं को प्रोत्साहित करना समय की जरूरत है। इस अवसर पर उन्होंने 'माय भारत' के स्वयं सेवियों को पत्र लिखकर अपीलकी कि जब भी उनके आसपास कोई युवा पहली बार मतदाता के रूप में पंजीकृत हो, तो उस खुशी के क्षण को मिलकर मनाया जाए। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान ने प्रत्येक मतदाता को समान शक्ति दी है और सही मतदान देश को सही दिशा दिखा सकता है। मतदान प्रणाली की पवित्रता की रक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को लोकतंत्र को दूषित नहीं करने देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देश का भविष्य जनता के हाथों में है और सामूहिक जनमत राष्ट्र की दिशा तय करता है। देश को स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक चुनावों की आवश्यकता है, जिसमें स्वच्छ मतदाता सूची और समान अवसर सुनिश्चित किया जाए।

छत्तीसगढ़ के 10 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

रायपुर। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधिकारियों को दिए जाने वाले प्रतिष्ठित पदकों की घोषणा कर दी गई है। इस साल छत्तीसगढ़ के 10 पुलिस अधिकारियों को उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों के लिए चयनित किया गया है। इन पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मु यह सम्मान प्रदान करेंगी। छत्तीसगढ़ से रामअवतार सिंह राजपूत को प्रेसिडेंट मेडल से नवाजा जाएगा। वे वर्तमान में एएसआई के पद पर पदस्थ हैं। लंबे समय से अनुशासित सेवा और कर्तव्यनिष्ठ कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। वहीं, इस बार किसी भी पुलिसकर्मी को वीरता पदक नहीं मिला है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के 9 सीनियर और युवा पुलिस अफसरों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया गया है। इनमें वरिष्ठ आईजी से लेकर सहायक पुलिस अधीक्षक और कमांडेंट स्तर के अधिकारी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के जिन 10 पुलिसकर्मियों को मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (एमएसएम) के लिए चुना गया है।

हिमाचल दिवसः प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष बिरला और राहुल गांधी ने नागरिकों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। हिमाचल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इन नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर हिमाचल प्रदेश को प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का संगम बताते हुए राज्य की निरंतर प्रगति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह राज्य प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। उन्होंने प्रदेशवासियों की प्रतिभा और पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल के लोगों ने सदैव मां भारती की सेवा की है। प्रधानमंत्री ने देवभूमि हिमाचल की निरंतर समृद्धि और प्रदेशवासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने हिमाचल को देवभूमि बताते हुए उसके विकास और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिमालय की गोद में बसा यह प्रदेश समृद्ध प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण, सांस्कृतिक विविधता और अतिथि भाव से परिपूर्ण जनमानस के लिए विश्वभर में विख्यात है। देवभूमि हिमाचल निरंतर प्रगति, समृद्धि और संतुलित विकास के पथ पर अग्रसर रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश के राज्यत्व दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध हिमाचल प्रदेश विकास और समृद्धि के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़े, यही ईश्वर से प्रार्थना है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण हिमाचल एक खूबसूरत और समृद्ध राज्य है और उन्होंने प्रदेश की निरंतर सफलता और प्रगति की कामना की।

संविधान के माध्यम से भारत को एकता के सूत्र में बांधने की स्मृति 'गणतंत्र दिवस': तोमर

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि सभी संकल्प लें कि संविधान ने हमें जो अधिकार दिए हैं उनका सदुपयोग कर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने रविवार को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि 26 जनवरी 2026 को हमारा देश 77 वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं, जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि यह दिवस भारत की लोकतांत्रिक और संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं देश के संविधान के माध्यम से संपूर्ण भारत को एकता के सूत्र में बांधने की स्मृति भी दिलाता है। हम सब भारतवासियों का कर्तव्य है कि अपने पवित्र विधिक ग्रंथ भारतीय संविधान का सम्मान करें तथा संकल्प लें कि संविधान ने हमें जो अधिकार दिए हैं।

सीबीआई के 31 अधिकारी पुलिस पदक से सम्मानित

नई दिल्ली। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक चिकित्सक से बलात्कार एवं उसकी हत्या के मामले तथा सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले की जांच की निगरानी करने वाले सीबीआई अधिकारी उन 31 केंद्रीय एजेंसी कर्मियों में शामिल हैं जिन्हें 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस पदक के लिए चुना गया है। सरकार द्वारा रविवार को जारी सूची के अनुसार, गुजरात काडर के 2000 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी चंद्रशेखर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया है। अधिकारी ने अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक से हुए बलात्कार और उसकी हत्या के मामले की जांच की निगरानी एजेंसी में संयुक्त निदेशक के तौर पर की थी। इस जांच के परिणामस्वरूप आरोपपत्र दाखिल किए जाने के कुछ महीनों के भीतर मामले में मुख्य आरोपी की दोषसिद्धि हुई। पुलिस अधीक्षक अमित श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश शर्मा, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार यति, सहायक उपनिरीक्षक चमन लाल और हेड कांस्टेबल रामू गोला को भी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया है।

एजेंसी के 25 अधिकारियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया है। इनमें एजेंसी में संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यरत 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी सी. वी. सुब्बा रेड्डी और उनके बैच में उनके साथी रहे सदानंद शकरराव दाते शामिल हैं। दाते एजेंसी के डीआईजी पद पर सेवाएं देने के बाद उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय में महानिरीक्षक के रूप में अपने काडर में शामिल हुए। आर्थिक अपराध शाखा (ईओबी) में तैनाती के दौरान दाते ने जूम डेवलपर ग्रुप, पारेख एल्युमिनेक्स लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से जुड़े विद्यावासिनी समूह के कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों के अलावा एमसीएक्स-एसएक्स मामले एवं एनटीसी मामले की जांच की। अधिकारी ने एजेंसी की विशेष अपराध, विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), मुंबई इकाइयों में भी सेवा दी। उन्होंने नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड की भी जांच संभाली। उप विधि सलाहकार मनमोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैद्यनाथ सामल और कैलाश साहू, उप पुलिस अधीक्षक रूबी चौधरी, मनीष कुमार उपाध्याय, अनमोल सचान, निशु कुशवाहा, अरिजीत सिन्हा, शरद सुरेश भावर, ताहिर अब्बास पी और धर्मेंद्र कुमार उन लोगों में शामिल हैं, जिन्हें उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएमएमएस) से सम्मानित किया गया है।

हिमाचल में एक हज़ार बंद सड़कों को खोलने में जुटा प्रशासन, फिर मौसम बिगड़ने का अलर्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी का दौर थमने के बाद रविवार को मौसम साफ हुआ और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली। इससे लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन जनजीवन अभी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ जमी रहने से यातायात, बिजली और पेयजल व्यवस्था अब भी बुरी तरह प्रभावित है। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक हजार से ज्यादा बंद सड़कों को खोलना है, जिस पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, दो राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 1,000 से अधिक सड़कें बंद हैं। शिमला जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 505 सड़कें बंद हैं।

लाहौल-स्पीति में 290, चंबा में 132, मंडी में 126, कुल्लू में 79 और सिरमौर में 29 सड़कें बंद पड़ी हैं। लाहौल-स्पीति में दो राष्ट्रीय राजमार्गों के ठप होने से आवाजाही पूरी तरह रुक गई है। ऊपरी शिमला के रोहड़ू, चौपाल, जुब्बल और कोटखाई क्षेत्रों का संपर्क तीसरे दिन भी जिला मुख्यालय से कटा हुआ है और इन इलाकों के लिए बस सेवाएं बहाल नहीं हो सकी हैं। बर्फबारी का असर बिजली आपूर्ति पर भी भारी पड़ा है। प्रदेशभर में 5,775 ट्रांसफार्मर ठप हैं। सिरमौर में सबसे ज्यादा 3,315 ट्रांसफार्मर खराब हैं, जबकि चंबा में 643, मंडी में 587, सोलन में 306, लाहौल-स्पीति में 153 और किन्नौर में 78 ट्रांसफार्मर बंद हैं। 126 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं, जिनमें कुल्लू जिले की 81 योजनाएं शामिल हैं।

इससे कई इलाकों में पानी की किल्लत बनी हुई है। लोकनिर्माण विभाग ने सड़कों की बहाली के लिए 385 मशीनरी मैदान में उतारी है। लोकनिर्माण मंत्री ने कहा है कि अगले दो दिनों में अधिकतर सड़कों को खोल दिया जाएगा। शिमला में निचले जिलों हमीरपुर, बिलासपुर, मंडी और कांगड़ा से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग और शिमला-चंडीगढ़ मार्ग पर यातायात सुचारू है, लेकिन ऊपरी इलाकों में काम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात चंबा जिले के जोत में 7 सेंटीमीटर और लाहौल-स्पीति के केलांग में 1 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज की गई। बारिश-बर्फबारी के बाद ठंड का असर साफ दिख रहा है। राज्य के आठ शहरों का न्यूनतम तापमान माइनस में चला गया है। मनाली का न्यूनतम तापमान माइनस 1.1 डिग्री, कुफरी 0.1 डिग्री, नारकंडा माइनस 1.1 डिग्री, कुकुमसेरी माइनस 7.9 डिग्री और ताबो माइनस 10 डिग्री दर्ज किया गया।

शिमला में 2.5, पालमपुर में 2.0, सोलन में 3.0 और जुब्बड़हट्टी में 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बर्फबारी के बाद शिमला, मनाली, कसौली, चायल और डलहौजी में पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। शिमला में होटलों की ऑक्यूपेंसी 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। हालांकि मौसम विभाग ने चेताया है कि राहत अस्थायी हो सकती है। आज कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 26 जनवरी से एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के आसार हैं। 27 जनवरी को भारी बारिश-बर्फबारी और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 28 और 29 जनवरी को भी मौसम खराब रहने की चेतावनी है। 30 जनवरी को धूप निकलने की उम्मीद है, जबकि 31 जनवरी को मौसम के फिर करवट लेने के संकेत हैं।

मुख्यमंत्री ने ब्रज की धरा पर नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत

युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं नितिन नबीनः सीएम

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुनी। वृंदावन के अक्षयपात्र में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने पहली बार यूपी के दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष का ब्रज की धरा पर स्वागत-अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने राधे-राधे, वृंदावन बिहारी लाल, राधा रानी, यमुना मैया, हर-हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय तथा वंदे मातरम की गूंज के साथ आध्यात्मिक व राष्ट्रवादी चेतना का संचार करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं। बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवाए दे रहे हैं। संगठन के विभिन्न पदों का निर्वहन करने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नया दायित्व दिया है। इस दायित्व के पश्चात योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन आह्लादकारी क्षण है।

सीएम योगी ने कहा कि ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव तीर्थ हजारों वर्षों से सनातन धर्मावलंबियों के लिए प्रेरणा हैं। यहां के रज-रज, कण-कण में श्रीकृष्ण, राधा रानी और हजारों वर्षों की विरासत का अंश श्रद्धालु आज भी ढूंढते हैं। उसके साथ तारतम्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं। अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जन्मभूमि भी मथुरा में पड़ती है।

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से ब्रज भूमि भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत के साथ ही विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए बढ़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी अब 'बीमारू' नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथ्रू बनकर संबल बन रहा है। पांच साल से अधिक समय से यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में है। डबल इंजन सरकार डबल स्पीड के साथ बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को धरातल पर उतारती है। हर नागरिक को सुरक्षा का अहसास कराती है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं के साथ बिना भेदभाव वंचित, नौजवान, किसान, महिलाओं समेत हर तबके को वरीयता के आधार पर शासन की योजना का लाभ दे रही है। डबल इंजन सरकार के माध्यम से यूपी में विकास की योजनाओं को बिना भेदभाव गांव से शहर तक, प्रत्येक जगह प्रभावी ढंग से लागू करने का कार्य देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का नौजवान अब पहचान के लिए मोहताज नहीं है। देश में अब वह कहीं भी जाकर गर्व से कह सकता है कि मैं यूपी का नागरिक हूं। एक समय था, जब यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया था, लोग यहां की विरासत को कोसते थे, हमें अपमानित करते थे, बीमारू राज्य होने के कारण हमारे बारे में लोगों का दृष्टिकोण भिन्न था, लेकिन यूपी अब बीमारू नहीं है। देश के विकास के अभियान में जुड़कर यहां के युवा, किसान व आधी आबादी भी कार्य कर रही है। यह भाजपा के प्रति आमजन के विश्वास का प्रतीक है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन, प्रेरणा व नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले 9 वर्ष में विकास के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि इस गति को और तेजी से बढ़ाने के लिए यूपी का एक-एक कार्यकर्ता प्राणप्रण से जुटकर वर्तमान व भावी भविष्य के निर्माण में योगदान देगा।इस दौरान केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव आदि मौजूद रहे।

वर्ष 2027 का चुनाव जीतने के लिए अपने बूथ को मजबूत करें कार्यकर्ताः नितिन नबीन

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा नेताओं ने भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया। वृन्दावन में आयोजित एक अभिनन्दन कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से वर्ष 2027 के चुनाव के लिए कमर कसने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी विधानसभा का चुनाव जीतने के लिए अपने बूथ का मजबूत करें। चुनाव में इस देश को बांटने और कांटने में विश्वास करने वाली ताकतों से लड़ना होगा। पहले बंदूक की नोंक पर उत्तर प्रदेश की सरकार चलती थी आज वोट के बल पर सरकार चल रही है। युवाओं को राजनीति में आगे आने का आहवान करते हुए नवीन ने कहा कि युवा सकारात्मक राजनीति में आगे बढ़कर काम करें। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमें भी कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूपी में जिस तरह विकास का काम हो रहा है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री योगी को बहुत बहुत बधाई देता हूँ। आज अयोध्या से लेकर काशी, मथुरा तक जिस प्रकार से आप सांस्कृतिक विरासत को आप आगे बढ़ा रहे हैं, निश्चितरूप से भारत का एक-एक सनातनी गर्व करता है। आज उत्तर प्रदेश देश का उत्तम प्रदेश बनकर उभरा है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में काफी संघर्ष किया है।

मुख्यमंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने किए बांके बिहारी के दर्शन

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को बांके बिहारी की चौखट पर हाजिरी लगाई। दोनों नेताओं ने आराध्य के चरणों में शीश झुकाकर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नितिन नबीन ने ठाकुर जी के समक्ष दीपक प्रज्ज्वलित किया और पुष्प अर्पित किए। इस दौरान सीएम योगी ने ठाकुर जी से प्रदेश की सुख-समृद्धि और 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि के लिए प्रार्थना की। दर्शन के बाद मंदिर सेवायतों द्वारा उन्हें प्रसाद भेंट किया गया। भाजपा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश की धरा 'ब्रज भूमि' पर पहुंचे नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग आध्यात्मिक व राजनीतिक कार्यक्रम में शिरकत की।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम भी साथ रहे। सीएम योगी के साथ कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय आदि ने भी बांके बिहारी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

विधायक के घर पहुंच मुख्यमंत्री व भाजपा अध्यक्ष ने जताया शोक

बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन मांट विधायक राजेश चौधरी के आवास पहुंचे। विधायक की मां का हाल में ही निधन हो गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने विधायक की मां के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।

हज यात्रियों को स्पेशल बैंड देगी मोदी सरकार : दानिश आजाद अंसारी

बलिया। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण व हज मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने आज बताया कि केंद्र सरकार ने 2026 की हज तीर्थ यात्रा डिजिटल और एआई युक्त बनाया है। भारत से लगभग एक लाख 25 हजार हज यात्री सऊदी अरब जाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार सभी हज तीर्थ यात्रियों को इमरजेंसी बटन वाला डिजिटल और एआई युक्त एक स्मार्ट बैंड मुहैया कराएगी। इस इमरजेंसी बटन वाले स्पेशल हैंड बैंड से इनके लोकेशन को ट्रैक किया जा सकेगा।

भारत सरकार हर सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि हज यात्रियों को सुविधा के लिए सऊदी सरकार से लेकर भारत सरकार, विदेश मंत्रालय व संबंधित विभाग के केंद्रीय मंत्री से लगातार बात हो रही है।

उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में जाकर व्यवस्थाएं देखी थी और वहां से लौट कर हज तीर्थ यात्रा का ग्राउंड रिपोर्ट लेकर केंद्र सरकार को सौंप चुके हैं।

सहारनपुर में करीब 13 लाख रुपये की स्मैक बरामद, तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर। जिले में पुलिस ने 65 ग्राम स्मैक बरामद करने के बाद एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब्त की गयी स्मैक की कीमत करीब 13 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि शनिवार को नकुड थाने की टीम अम्बेहटा-गंगोह मार्ग पर बाइखेडी गांव के पास आरोपी सद्दाम को पकड़ लिया और उसके कब्जे से 65 ग्राम स्मैक, इलेक्ट्रिक कांटा और एक मोबाइल फोन बरामद किया। उन्होंने बताया कि बरामद स्मैक की कीमत करीब 13 लाख रुपये आंकी गई है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिला विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे अदालत के समक्ष पेश किया गया।

आईएमसी यूथ विंग अध्यक्ष बना बरेली बवाल का मोस्ट वांटेड, संपत्ति कुर्की के आदेश

बरेली। जिले में 26 सितंबर 2025 को भड़के बवाल के मुख्य आरोपितों में शामिल इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) की यूथ विंग के अध्यक्ष अल्तमश राजा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पुलिस जांच में बवाल की साजिश से लेकर सड़क पर उपद्रव तक उसकी सक्रिय भूमिका सामने आने के बाद उसे मोस्ट वांटेड घोषित किया गया है।

लंबे समय से अग्रिम जमानत और कानूनी दांव-पेचों के सहारे गिरफ्तारी से बच रहा अल्तमश अब पुलिस के सीधे निशाने पर है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि अल्तमश राजा समेत अन्य फरार आरोपितों की चल-अचल संपत्ति कुर्क की जाएगी। गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। फरारी जारी रहने पर धारा 82-83 के तहत कुर्की की कार्रवाई की जाएगी, इसके बाद गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने रविवार को बताया कि 26 सितंबर को आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर हुए बवाल के बाद शहर के पांच थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए गए थे। बारादरी थाना में दर्ज दो मामलों में अल्तमश राजा को नामजद किया गया था।

एक मामले में उसे हाईकोर्ट से राहत मिली, लेकिन दूसरे केस में वह अब भी वांछित है। उस पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि अल्तमश राजा खुद को "कौम का बड़ा नेता" स्थापित करने की कोशिश में सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय था। इसी महत्वाकांक्षा के चलते वह बवाल के दौरान उकसावे और भीड़ के समन्वय में शामिल रहा। एसएसपी ने बताया कि जिले के 12 इनामी बदमाशों के खिलाफ कड़ा एक्शन तय है। संगठनात्मक पद या सामाजिक रसूख किसी को कानून से ऊपर नहीं रखता। फरार आरोपितों की संपत्ति कुर्क कर उन्हें कानून के शिकंजे में लिया जाएगा।

गौतम अदाणी ने मीरजापुर में निर्माणाधीन मेगा पॉवर प्लांट का किया निरीक्षण, पौधे भी रोपे

मीरजापुर। उद्योगपति गौतम अदाणी आज उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर स्थित मड़िहान तहसील क्षेत्र के ददरी खुर्द गांव में निर्माणाधीन मेगा पावर प्लांट का निरीक्षण करने पहुंचे। कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट लगभग 1600 मेगावाट क्षमता का बन रहा है। इस मौके पर अडाणी ने परिसर में पौधरोपण भी किया।

उद्योगपति गौतम अदाणी आज हेलीकॉप्टर से उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के ददरी खुर्द गांव में स्थित परियोजना स्थल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद लगभग आधे घंटे तक निर्माणाधीन पावर प्लांट का जायजा लिया और अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। अदाणी समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति, तकनीकी संरचना और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। ददरी खुर्द में स्थापित किया जा रहा यह कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट लगभग 1600 मेगावाट क्षमता का है, जिसे प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक परियोजनाओं में शामिल किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को मजबूती मिलने के साथ-साथ मीरजापुर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। परियोजना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अदाणी के आगमन को लेकर पावर प्लांट क्षेत्र में सड़क मरम्मत, हेलिपैड निर्माण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं।

स्वर्ण मंदिर के सरोवर में 'कुल्ला' करने का वीडियो सामने आने के बाद आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के सरोवर में 'कुल्ला' करने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अंकुर विहार कालोनी थाना क्षेत्र निवासी सुभान (32) के रूप में हुई है। वीडियो में सुभान को स्वर्ण मंदिर के सरोवर में मुंह व पैर साफ करते हुए और 'कुल्ला' करते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि सुभान 15 जनवरी को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में दर्शन के लिए गया था। अंकुर विहार क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि सिख समुदाय के सदस्यों ने इस कृत्य पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए अमृतसर में शिकायत दर्ज कराई और सुभान पर जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सिख समुदाय के सदस्यों से सूचना मिलने के बाद शांति भंग करने के आरोप में आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से दो मजदूरों की मौत, दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल

कौशांबी। जिले में बांस से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने से वाहन पर सवार दो मजदूरों की मौत हो गई और दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। रविवार को पुलिस ने बताया कि दुर्घटना मोहब्बतपुर पैंसा थाना क्षेत्र में हुई। थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर पर चालक और चार मजदूर सवार थे और वे धाम थाना क्षेत्र के औरेनी गांव जा रहे थे। कैमा गांव के पास शनिवार देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई और फतेहपुर निवासी सुरेश (32) व कौशांबी निवासी अर्जुन (30) की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि वीरेंद्र व परवेज दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें सिराथू स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दूसरी मंजिल से युवक-युवती के कूदने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

शाहजहांपुर। जिले में पिज्जा की एक दुकान में एक हिंदू संगठन द्वारा की गई 'छापेमारी' के डर से वहां बैठे युवक-युवती के दूसरी मंजिल से छलांग लगाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, इमारत की दूसरी मंजिल से कूदने के कारण युवक-युवती गंभीर रूप से घायल हो गये और इस मामले में एक संगठन के तीन नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने रविवार को बताया कि जिले के थाना कांट अंतर्गत बरेली मोड़ के निकट पुवाया कस्बे का निवासी विशाल पिज्जा की एक दुकान में अपनी प्रेमिका के साथ शनिवार शाम

को पिज्जा खाने गया था, तभी एक संगठन के सात-आठ लोग दुकान में घुस आए और वहां मौजूद लोगों से परिचय पत्र (आईडी) मांगने लगे। उन्होंने बताया कि विशाल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि इसके बाद संगठन के लोगों ने अभद्रता करनी शुरू कर दी तथा वीडियो बनाने लगे, जिसके कारण वे दोनों डर गए और युवती दूसरी मंजिल से कूद गयी, जिसे बचाने के लिए वह भी कूद गया। एसपी ने कहा कि इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये और उनका उपचार किया जा रहा है। द्विवेदी ने बताया कि पुलिस ने युवक की शिकायत के आधार पर शनिवार रात को आरोपी प्रवेश, सोनू तथा हर्षित तथा पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि शहर में कुछ कैफे को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी दुकानों में केबिन हटा ले, पर्दों का प्रयोग न करें और शीशे भी पारदर्शी लगाए। उन्होंने कहा कि साथ ही अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वह ऐसे कैफे हाउस तथा रेस्तरां का औचक निरीक्षण करें और अवैध गतिविधियां पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें।

युवक का शव पेड़ से लटका मिला, जांच जारी

कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के पिपरा कनक खास गांव में रविवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। उसने बताया कि मृतक की पहचान पिपरा कनक खास गांव निवासी निजामुद्दीन के पुत्र नसरूद्दीन (18) के रूप में हुई है। पटहेरवा थाना प्रभारी धीरेन्द्र कुमार राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

कोडीन युक्त कफ सिरप मामले में अभियुक्त के मकान पर चस्पां किया गया कुर्की नोटिस

वाराणसी। पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सिरप मामले में रविवार को एक आरोपी और उसके परिजनों द्वारा अपराध के जरिए अर्जित की गई 30 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति को कुर्क करने की कार्यवाही शुरू की। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (वरुणा जोन) प्रमोद कुमार ने बताया कि कोडीन युक्त कफ सिरप के मामले में आरोपी भोला प्रसाद जायसवाल और उसके परिजनों द्वारा अपराध से अर्जित की गयी कुल 30.52 करोड़ रुपये की संपत्तियों को सील कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कायस्थ टोला, प्रहलाद घाट, मरौली, जगतगंज और सिगरा सहित आठ स्थानों पर मकानों व भूखंडों पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर उन्हें सील कर दिया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बिजनौर की डीएम को किया सम्मानित, एसआईआर में किया है उत्कृष्ट कार्य

बिजनौर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिल्ली में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश के बिजनौर की जिलाधिकारी जसजीत कौर को सम्मानित किया। जिलाधिकारी को यह पुरस्कार बिजनौर में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता सूची की शुद्धता पारदर्शिता एवं प्रभावी क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग से मिले सम्मान पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि यह सम्मान ट्रेनिंग एवं कैपेसिटी बिल्डिंग श्रेणी में मिला है। उन्होंने बताया कि हमने बीएलओ स्तर पर बहुस्तरीय व सतत प्रणाली विकसित करते हुए बूथ लेवल अधिकारियों को नवीन दिशा निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण में हमने सभी बीएलओ को सामूहिक रूप से फोटो व वीडियो का उपयोग किया तथा इसके अलावा छोटे छोटे ग्रुपों में भी ट्रेनिंग कराई गई ताकि किसी को परीक्षण के दौरान परेशानी नहीं हो। इसके अतिरिक्त ट्रेनिंग के बाद बीएलओ के टेस्ट भी लिए गए उसके उपरांत कमी मिलने पर फिर से ट्रेनिंग दी गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि बूथ लेवल के अधिकारियों को आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार निरंतर माइक्रो प्लानिंग, दैनिक मॉनिटरिंग फील्ड स्तर पर समस्याओं का समाधान, व कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु नियमित मार्गदर्शन तथा फीडबैक की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई जिसके कारण फील्ड में किसी को भी कोई समस्या आने पर मार्गदर्शन दिया गया | उन्होंने एक सवाल के जवाब में बताया कि हमने निर्वाचन आयोग के समय-समय पर जारी निर्देशों का गंभीरता एवं अनुशासन के साथ पालन कराया वही पारदर्शी एवं सहभागिता पूर्ण बनाने के उद्देश्य से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न शासकीय विभागों को भी प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठकों से जोड़ा गया जिससे आपसी संबंध में मजबूत हुआ।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा की जनपद में 96.5 प्रतिशत मैपिंग रही है जो हमारी सफलता का प्रमाण है लगभग 3% अनमैपिंग रही है, जिसका रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हो सका है ,उन्होंने कहा कि जनपद की आठ विधानसभा में सफलतापूर्वक कार्य किया गया है। सफलता के पीछे मुख्य कारण उन्होंने अधिकारियों द्वारा टीमवर्क में काम करना बताया।

अनुप्रिया पटेल ने सुनीं जनसमस्याएं अफसरों को दिए निस्तारण के निर्देश

मीरजापुर। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक अनुप्रिया पटेल ने रविवार को सरदार पटेल चौराहा स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय में जनसुनवाई की।

इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों, एनडीए के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। केंद्रीय राज्यमंत्री ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बात को गंभीरता से सुना और कई मामलों में संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास, किसानों से जुड़ी समस्याएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल

कराया जाएगा। इस अवसर पर अपना दल (एस) व भाजपा के जिलाध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा जिले के प्रमुख व्यवसायी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: अल्काराज, सबालेंका और कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मेलबर्न। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और एरिना सबालेंका ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे अल्काराज ने टॉमी पॉल पर 7-6 (6), 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कनाडा की नंबर 17 विक्टोरिया एमबोको को 6-1, 7-6 (1) से हराया।

सबालेंका का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला 18 वर्षीय इवा जोविच से होगा। इस 29वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने यूलिया पुतिनत्सेवा को 53 मिनट में 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। खिताब की एक अन्य दावेदार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में लगातार तीसरे वर्ष क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने 19वीं रैंकिंग की खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 3-6, 6-3 से हराया। अल्काराज ने अपने खेल में कुछ बदलाव किये जो इस मैच में कारगर साबित

हुए। उन्होंने कोई डबल-फॉल्ट नहीं किया, अपनी पहली सर्विस को 70 प्रतिशत सही जगह पर पहुंचाया और उनमें से 79 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर भी 68 प्रतिशत अंक जीते। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, "यह कड़ा मैच था और सीधे सेटों में जीत हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। सच कहूं तो मेलबर्न पार्क में खेले गए अपने पहले चार मैचों में मैंने जो सर्विस की है, उससे मैं खुद काफी प्रभावित हूं।" अल्काराज अपने टेनिस करियर में अभी तक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में ट्रॉफी नहीं जीती है। इस टूर्नामेंट में वह कभी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। अंतिम आठ में उनका मुकाबला स्थानीय पसंदीदा खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर या नंबर 10 एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा।

इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में पिछले चार वर्षों में तीसरा खिताब जीतने की कवायद में लगी सबालेंका ने अपनी दमदार सर्विस का शानदार नमूना पेश करते हुए कनाडा की 19 वर्षीय खिलाड़ी को केवल 31 मिनट में हरा दिया। सबालेंका दूसरे सेट में उतनी हावी नहीं रहीं और उन्होंने कुछ बेजा गलतियां की। इस सेट में एमबोको ने अच्छा खेल दिखाया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी 27 वर्षीय सबालेंका ने युवा एमबोको के बारे में कहा, "वह इतनी कम उम्र में एक अद्भुत खिलाड़ी है। टूर पर इन युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ते देखना अविश्वसनीय है। उसने मेरे सामने कड़ी चुनौती पेश की। मुझे खुशी है कि मैं मैच जीतने में सफल रही।"

सबालेंका ने दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त बनाई, लेकिन 5-4 की बढ़त के बावजूद तीन मैच प्वाइंट गंवा दिए। एमबोको ने धीरे-धीरे लय वापस हासिल कर ली और मैच को टाईब्रेकर तक ले गईं, लेकिन सबालेंका ने अंत में दबदबा कायम कर लिया। सबालेंका की टाईब्रेक में यह लगातार 20वीं जीत थी। सबालेंका ने 2023 और 2024 में यह ग्रैंड स्लैम जीता था और पिछले साल मैडिसन कीज़ के खिलाफ उपविजेता रही थीं। बेलारूस की इस खिलाड़ी ने अमेरिकी ओपन में भी दो खिताब भी जीते हैं।

सऊदी अरब ने 2029 एशियाई शीतकालीन खेलों को स्थगित किया

दुबई। सऊदी अरब की ओलंपिक समिति और एशियाई ओलंपिक परिषद ने 2029 एशियाई शीतकालीन खेलों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने पर सहमति जताई है। इन खेलों का आयोजन सऊदी अरब की भविष्यवादी शहर परियोजना एनईओएम के एक पर्वतीय रिसॉर्ट में होने वाला था।

एशियाई ओलंपिक परिषद ने जारी एक बयान में कहा कि दोनों संगठनों ने खेलों की मेजबानी के लिए 'भविष्य के लिए एक अपडेटिड ढांचे' पर सहमति बनाई है और खेलों को स्थगित किया जाएगा और इन्हें बाद की किसी तारीख में कराया जाएगा जिसकी घोषणा आने वाले समय में की जाएगी। बयान में खेलों के स्थगन का कोई कारण नहीं बताया गया। इसके बजाय सऊदी अरब आने वाले वर्षों में अलग-अलग शीतकालीन खेल टूर्नामेंट की एक श्रृंखला की मेजबानी करेगा।

बयान में कहा गया कि यह निर्णय दोनों संगठनों के बीच 'विस्तृत परामर्श' के बाद लिया गया है। एशियाई शीतकालीन खेलों की मेजबानी सऊदी अरब को दिए जाने के फैसले की प्रमुख स्की खिलाड़ियों और अन्य आलोचकों ने आलोचना की थी। उनका कहना था कि प्राकृतिक रूप से पानी और वर्षा की कमी वाले क्षेत्र में शीतकालीन खेल आयोजन कराने से पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

एमबापे ने रियाल मैड्रिड को शीर्ष पर पहुंचाया, बार्सिलोना दूसरे स्थान पर खिसका

बार्सिलोना। किलियन एमबापे के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने विलारियाल को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में बार्सिलोना को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। एमबापे ने 47वें मिनट में पहला गोल किया और फिर इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल करके यह सुनिश्चित किया कि रियाल मैड्रिड अंकतालिका में बार्सिलोना से दो अंक आगे निकल जाए। बार्सिलोना को पहला स्थान वापस पाने के लिए अपने अगले मैच में सबसे निचले पायदान पर काबिज रियाल ओविएडो को हराना होगा। इस जीत से रियाल 21 मैच में 51 अंक हो गए हैं जबकि बार्सिलोना के 20 मैच में 49 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल के 20 मैच में 41 अंक हैं तथा वह क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

आर्मी रोइंग नोड को विश्व रोइंग का 'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' का पुरस्कार

नई दिल्ली। पुणे के कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग में स्थित आर्मी रोइंग नोड ने इस खेल के विकास में अपनी अहम भूमिका के लिए विश्व रोइंग का 'प्रोग्राम ऑफ द ईयर' पुरस्कार हासिल किया है। उसने इस पुरस्कार की दौड़ में फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ा।

आर्मी रोइंग नोड (एआरएन) की स्थापना 2001 में हुई थी। यह भारत का एकमात्र मानव निर्मित अंतरराष्ट्रीय मानक का 2,200 मीटर गुणा 135 मीटर का रोइंग चैनल है और इसमें 60 से 90 रोअर प्रशिक्षण लेते हैं। वर्ष 2024 में स्थापित विश्व रोइंग पुरस्कार शनिवार को लुसाने स्थित ओलंपिक संग्रहालय में एआरएन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आर

रामकृष्णन को प्रदान किया गया। एआरएन भारतीय सेना के मिशन ओलंपिक विंग (एमओडब्ल्यू) का एक हिस्सा है, जिसे ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के पदक जीतने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रशिक्षण महानिदेशालय की देखरेख में 2001 में शुरू किया गया था। एआरएन ने अब तक सात ओलंपियन दिए हैं। एशियाई खेल 2023 में भारतीय टीम में शामिल सभी रोवर सशस्त्र बलों से संबद्ध थे और उन्होंने दो रजत सहित पांच पदक जीते थे। इस पुरस्कार के अन्य दावेदारों में फ्रांस के ल्योन में स्थित रोइंग फॉर हेल्थ (एविरोन सैंटे) और यूनाइटेड किंगडम के लैंकेस्टर में स्थित रिफ्यूजी इंटीग्रेशन प्रोग्राम शामिल थे।

खेल मंत्रालय के लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टीओपीएस) के सीईओ कर्नल एन एस जोहल ने कहा, "यह एआरएन, भारतीय रोइंग महासंघ और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजनों का केंद्र बनने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने की हमारी क्षमता को दर्शाता है।"

बहिष्कार की अप्रत्यक्ष धमकी के बाद पाकिस्तान ने घोषित की टी20 विश्व कप के लिए टीम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी का बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए टी20 विश्व कप के बहिष्कार की धमकी के एक दिन बाद पाकिस्तान ने इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए रविवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने "सुरक्षा चिंताओं" के कारण भारत आने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया था।

इसके बाद पीसीबी के प्रमुख नक़वी ने इस टी20 टूर्नामेंट से हटने का सुझाव दिया था। भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट में सलमान अली आगा पाकिस्तान टीम की कप्तानी करेंगे। बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाए जाने के बाद नक़वी ने कहा था कि पाकिस्तान सरकार इस बात पर अंतिम निर्णय लेगी

कि उसकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में भाग लेगी या नहीं। पाकिस्तान के सभी ग्रुप मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। यहां गद्दाफी स्टेडियम में पीसीबी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक और पुरुष राष्ट्रीय टीम चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद, आगा और सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच माइकल जेम्स हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की घोषणा की। यह उल्लेखनीय है कि पीसीबी, बीसीसीआई और आईसीसी ने पिछले साल एक त्रिपक्षीय समझौता किया था जिसके तहत 2027 तक भारत या पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले किसी टूर्नामेंट में भारत या पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थानों पर खेले जाएंगे। टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं है। इसमें वही खिलाड़ी शामिल हैं जो अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर

टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा मोहम्मद नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) और उस्मान तारिक।

टी20 श्रृंखला में खेलने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाहौर में 29 जनवरी से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए टीम से केवल मध्यम गति के गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर को ही बाहर रखा गया है।

चयनकर्ताओं ने टी20 विश्व कप टीम में दो विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया है। अबरार और उस्मान के अलावा टीम में स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, शादाब खान और सैम अयूब भी शामिल हैं। इस टीम में युवा बल्लेबाज ख्वाजा नफे को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने इसी महीने की शुरुआत में श्रीलंका में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इन 15 खिलाड़ियों में कप्तान आगा, फहीम अशरफ, ख्वाजा मोहम्मद नफे, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साहिबजादा फरहान और उस्मान तारिक को पहली बार टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम में शामिल किया गया है। अबरार अहमद, बाबर आजम, फखर जमां, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान और उस्मान खान ने 2021 से एक या अधिक टी20 विश्व कप में भाग लिया है। पाकिस्तान को ग्रुप ए में रखा गया है और उसका पहला मैच सात फरवरी को कोलंबो में नीदरलैंड के खिलाफ होगा।

कारोबार

भारत-यूरोपीय संघ 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता पूरी होने की करेंगे घोषणा

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) 27 जनवरी को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता संपन्न होने और इसे अंतिम रूप देने की घोषणा करने के लिए तैयार हैं। एक अधिकारी के अनुसार, इस समझौते का उद्देश्य अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक व्यापार में जारी व्यवधानों के बीच दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है। 18 साल के लंबे इंतजार के बाद यह समझौता अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। इसकी वार्ता वर्ष 2007 में शुरू हुई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस समझौते को अब तक का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता "मदर ऑफ ऑल डील्स" करार दिया है।

अधिकारी ने बताया कि वार्ता के समापन की घोषणा यहां आयोजित होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान की जाएगी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 24 जनवरी को चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंच चुकी हैं। वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिखर वार्ता करेंगी। हालांकि वार्ता पूरी होने की घोषणा इसी सप्ताह हो जाएगी, लेकिन

मसौदे की कानूनी समीक्षा के बाद इसे आपसी सहमति वाली तारीख पर हस्ताक्षरित किया जाएगा।

इसके क्रियान्वयन में थोड़ा समय लग सकता है क्योंकि इसे यूरोपीय संसद की मंजूरी की आवश्यकता होगी, जबकि भारत में इसे केवल केंद्रीय मंत्रिमंडल की अनुमति चाहिए। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष आपसी व्यापार वाली 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क को कम या समाप्त करेंगे। कपड़ा और फुटवियर जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के उत्पादों पर शुल्क पहले ही दिन से समाप्त हो सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुओं पर इसे पांच से दस वर्षों में चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क ने वैश्विक व्यापार प्रवाह को प्रभावित किया है। भारत वर्तमान में वहां 50 प्रतिशत तक के उच्च शुल्क का सामना कर रहा है। माना जा रहा है कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों को अपने बाजार विविधीकरण और चीन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। भारत इस समझौते के जरिए अपने कपड़ा, चमड़ा और हथकरघा जैसे क्षेत्रों के लिए शुन्य-शुल्क बाजार पहुंच की तलाश में है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ अपने ऑटोमोबाइल निर्यात, वाइन और हाई-टेक विनिर्माण क्षेत्रों के लिए भारतीय बाजार में अधिक पहुंच चाहता है।

संवेदनशील कृषि और डेयरी क्षेत्रों को फिलहाल इस समझौते से बाहर रखा गया है ताकि छोटे और सीमांत किसानों के हितों की रक्षा की जा सके। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर था। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत में एक बड़ा निवेशक भी है, जिसका अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 117.4 अरब डॉलर रहा है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को कहा कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता घरेलू उद्योगों के लिए खतरा बनने के बजाय लागत कम करने और व्यापार विस्तार में सहायक होगा।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, भारत और यूरोपीय संघ एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार हैं, क्योंकि दोनों मूल्य श्रृंखला के अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं। श्रीवास्तव ने कहा, "भारत श्रम-प्रधान और प्रसंस्करण आधारित वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि यूरोपीय संघ पूंजीगत वस्तुओं, उन्नत प्रौद्योगिकी और औद्योगिक इनपुट की आपूर्ति करता है। यह पूरकता बताती है कि एफटीए से उत्पादन लागत कम होगी और दोनों पक्षों को लाभ होगा।"

शीर्ष 10 में नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.51 लाख करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोर रुख के कारण पिछले सप्ताह शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार मूल्यांकन 2.51 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 2,032.65 अंक या 2.43 प्रतिशत टूट गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, "समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई और मंदड़िए पूरी तरह हावी रहे। कमजोर वैश्विक संकेतों, निरंतर एफआईआई की निकासी, रुपये के गिरते मूल्य और सामान्य कॉरपोरेट नतीजों ने पूरे सप्ताह दबाव बनाए रखा।" रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सहित शीर्ष 10 में नौ सबसे मूल्यवान कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 2,51,711.6 करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन

96,960.17 करोड़ रुपये घटकर 18,75,533.04 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 48,644.99 करोड़ रुपये घटकर 9,60,825.29 करोड़ रुपये था। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,311.86 करोड़ रुपये बढ़कर 5,66,733.16 करोड़ रुपये हो गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और लार्सन एंड टुब्रो का स्थान रहा।

संक्षिप्त खबरें

कार्यालय, खुदरा स्थल की भारी मांग से डीसीसीडीएल की किराया आय 18% बढ़ी

नई दिल्ली। परियल्टी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डीएलएफ और जीआईसी के संयुक्त उद्यम डीसीसीडीएल की किराया आय दिसंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 1,412 करोड़ रुपये रही। कार्यालय और खुदरा स्थल की मजबूत मांग के कारण यह वृद्धि दर्ज की गई है। डीएलएफ की ताजा निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, "डीएलएफ साइबर सिटी डेवलपर्स लिमिटेड (डीसीसीडीएल) की किराया आय पिछले साल इसी अवधि में 1,193 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ की डीसीसीडीएल में लगभग 67 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष इक्विटी हिस्सेदारी सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी के पास है।" इस समय डीसीसीडीएल के पास कुल 4.43 करोड़ वर्ग फुट का परिचालन पोर्टफोलियो है, जिसमें प्रमुख कार्यालय और खुदरा स्थल शामिल हैं। इसमें से लगभग 40 लाख वर्ग फुट खुदरा क्षेत्र है और बाकी कार्यालय स्थान है। वित्तीय प्रदर्शन के मोर्चे पर डीसीसीडीएल का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान 40 प्रतिशत बढ़कर 717 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 514 करोड़ रुपये था। कुल राजस्व 17 प्रतिशत बढ़कर 1,878 करोड़ रुपये हो गया, जो पहले 1,605 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही के अंत में इसका शुद्ध ऋण 16,976 करोड़ रुपये था।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में कॉपर ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता बनी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) मध्यप्रदेश के सीधी जिले में स्थित बाघवारी-खिरखोरी तांबा और संबंधित खनिज ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता बनकर उभरी है। कंपनी ने फॉरवर्ड ई-नीलामी में

उच्चतम अंतिम मूल्य की बोली लगाकर यह सफलता हासिल की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि खनन पट्टे को शामिल करने वाले कंपोजिट लाइसेंस के लिए नीलामी 22 जनवरी को सफलतापूर्वक पूरी हुई, जिसकी सूचना शनिवार को मिली। एचसीएल ने मध्यप्रदेश सरकार के भूविज्ञान और खनन निदेशालय द्वारा 31 अक्टूबर 2025 को जारी निविदा सूचना में भाग लिया था। यह ब्लॉक केंद्र सरकार के खनन सुधारों के तहत खनिज संसाधनों की नीलामी के राज्य के प्रयासों का हिस्सा है।

MMTC-PAMP तीन महीने में शुरू करेगी चांदी पुनर्चक्रण परियोजना

नई दिल्ली। कीमती धातुओं का शोधन करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी ने अपने मौजूदा स्टोरों पर तीन महीने के भीतर पायलट आधार पर चांदी का पुनर्चक्रण शुरू करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक शीर्ष कार्यकारी ने कहा कि बढ़ती मांग के कारण आपूर्ति पक्ष में गंभीर बाधाएं पैदा होने का खतरा बढ़ गया है।

एमएमटीसी-पीएएमपी के प्रबंध निदेशक और सीईओ समित गुहा ने कहा कि कंपनी चांदी पुनर्चक्रण में इसलिए उतर रही है, क्योंकि अब इसका अर्थशास्त्र अधिक अनुकूल है, जबकि बढ़ती मांग के बावजूद वैश्विक खान उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण विस्तार के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। गुहा ने कहा, "अगर चांदी की मांग इसी तरह बनी रही, तो हमें आपूर्ति पक्ष में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पुनर्चक्रण की गई चांदी को इस कमी को पूरा करने के लिए बड़ी भूमिका निभानी होगी।" उन्होंने सरकार से चांदी पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय परिवारों के पास अनुमानित 25,000

टन सोना और उससे दस गुना मात्रा में चांदी है। एमएमटीसी-पीएएमपी सोना पुनर्चक्रण के लिए 20 स्टोर संचालित करती है, जिन्हें चांदी संभालने के लिए भी तैयार किया जा सकता है। कंपनी अगले पांच वर्षों में अपने स्टोरों की संख्या दोगुनी करने की योजना बना रही है।

गुहा ने कहा, "हमें स्टोरों पर अपने कुछ उपकरणों को उन्नत करने और चांदी को धातु के रूप में संभालने के लिए उन्हें पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। हमें कुछ प्रशिक्षण देने की जरूरत है। हम अपने कुछ स्टोरों में एक प्रायोगिक परियोजना शुरू करेंगे और फिर इसे आगे बढ़ाएंगे।" उन्होंने कहा कि यह प्रायोगिक परियोजना तीन से चार महीनों के भीतर दिल्ली में शुरू की जाएगी।

एल्युमीनियम कैन पर बीआईएस मानदंडों की समयसीमा बढ़ी, पेय पदार्थ उद्योग ने किया स्वागत

नई दिल्ली। सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण और पेय पदार्थ उद्योग में उपयोग किए जाने वाले एल्युमीनियम कैन के लिए अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों को लागू करने की समयसीमा बढ़ा दी है। इस कदम से कोला बनाने वाली कंपनियों से लेकर बीयर निर्माताओं तक, सभी अल्कोहल युक्त और गैर-अल्कोहल पेय निर्माताओं को बड़ी राहत मिली है। पेय पदार्थ निर्माताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि समयसीमा बढ़ने से गर्मियों के दौरान बढ़ने वाली मांग को पूरा करने और आपूर्ति के अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। कुकवेयर, बर्तन और खाद्य-पेय पदार्थ कैन आदेश, 2026' को अब बड़े उद्योगों के लिए अक्टूबर 2026 से, छोटी इकाइयों के लिए जनवरी 2027 से और सूक्ष्म उद्यमों के लिए अप्रैल 2027 से लागू किया जाएगा।

भारत ने तेल आयात के लिए फिर से पश्चिम एशिया का रुख किया, रूस से खरीद हुई सीमित

नई दिल्ली। भारत ने कच्चे तेल के आयात की रणनीति में बदलाव करते हुए कम जोखिम वाली आपूर्ति पर जोर दिया है। इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस से आपूर्ति भी बनी हुई है। विश्लेषण फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार जनवरी के पहले तीन हफ्तों में रूसी कच्चे तेल का आयात गिरकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो पिछले महीने औसतन 12.1 लाख बैरल प्रतिदिन और मध्य 2025 में 20 लाख बैरल प्रतिदिन से थोड़ा अधिक था।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 90 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। केप्लर के आंकड़ों के अनुसार इराक अब रूस के बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जबकि दिसंबर 2025 में यह औसतन 9,04,000 बैरल प्रतिदिन था। सऊदी अरब से आने वाली मात्रा भी इस महीने बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गई है, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन और अप्रैल 2025 में 5,39,000 बैरल प्रतिदिन थी। रूस 2022 में इराक को पीछे छोड़कर भारत का शीर्ष आपूर्तिकर्ता बन गया था, जब भारतीय रिफाइनरी ने भारी छूट वाले रूसी तेल को खरीदने के लिए तेजी दिखाई थी। दरअसल यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था। केप्लर के शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, "जनवरी 2026 में भारत की कच्चे तेल की खरीद कम जोखिम वाली और अधिक विश्वसनीय आपूर्ति की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाती है। इसमें पश्चिम एशिया की हिस्सेदारी बढ़ रही है, जबकि सीमित मात्रा में रूस का प्रवाह भी बना हुआ है।"

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' करियर का सबसे बड़ा शो: हिना खान

मुंबई। हाल ही में छोटे परदे की अभिनेत्री हिना खान ने अपनी कमाई को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। हिना खान हाल ही में एक पॉडकास्ट में नजर आईं, जहां उनसे सवाल किया गया कि राजन शाही और एकता कपूर इन दोनों बड़े प्रोड्यूसर्स में से किसके शो से उन्हें सबसे ज्यादा कमाई हुई। इस सवाल पर हिना ने बिना किसी हिचकिचाहट के साफ और ईमानदार जवाब दिया। हिना खान ने कहा कि 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' उनके करियर का सबसे बड़ा शो रहा है, हर मायने में। उन्होंने बताया कि इस शो से उन्हें न सिर्फ नाम और पहचान मिली, बल्कि आर्थिक रूप से भी यही शो उनके लिए सबसे फायदेमंद साबित हुआ। हिना के मुताबिक, वह करीब आठ साल तक लगातार इस शो का हिस्सा रहीं और आज उनके पास जो कुछ भी है, चाहे वह सफलता हो या संपत्ति, उसका बड़ा श्रेय इसी शो को जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके बाद उन्होंने कई और शोज किए, लेकिन जो स्थिरता, सफलता और कमाई 'ये रिश्ता' से मिली, वैसी कहीं और नहीं मिल पाई। हिना की इस ईमानदार स्वीकारोक्ति को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनकी सादगी और साफगोई की तारीफ कर रहे हैं। फैंस का मानना है कि टीवी पर लंबे समय तक लगातार काम करना कलाकारों को न सिर्फ लोकप्रियता देता है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करता है, और हिना इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

ऋषि कपूर और नीतू कपूर का आशीर्वाद मेरे शादीशुदा जिंदगी की नींव : रिद्धिमा कपूर साहनी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी रविवार को शादी की 20वीं सालगिरह सेलिब्रेट थी। इस खास दिन पर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी से जुड़ी अनदेखी यादें साझा कीं। रिद्धिमा कपूर ने अपनी शादी की 20वीं सालगिरह के मौके पर एक पुराना वीडियो साझा किया। वीडियो में वह मंडप की ओर बढ़ती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके साथ उनके भाई रणबीर कपूर भी चलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में शादी की रस्मों के साथ-साथ उस समय का भावनात्मक माहौल भी साफ महसूस किया जा सकता है। इस वीडियो के साथ रिद्धिमा कपूर ने दिल को छू लेने वाला संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "20 साल पहले माता-पिता ऋषि कपूर और नीतू कपूर ने मेरा हाथ पकड़कर मुझे एक नई जिंदगी में कदम रखने के लिए विदा किया था। उन्होंने अपने प्यार, आशीर्वाद और दुआओं के साथ नए सफर पर भेजा। आज मेरी जिंदगी में जो कुछ भी है, उसकी नींव उनके संस्कार, प्यार और समर्थन से ही पड़ी है।" रिद्धिमा ने पोस्ट में अपने दिवंगत पिता ऋषि कपूर को भी याद किया और कहा, "माता-पिता का आशीर्वाद आज भी मेरे जीवन का सबसे मजबूत सहारा है। मेरे जीवन की शुरुआत, उनकी सोच और उनकी खुशियों की जड़ें उनके माता-पिता से ही जुड़ी हुई हैं।" अपने पति भरत साहनी के लिए भावनाएं व्यक्त करते हुए रिद्धिमा ने लिखा, "भरत सिर्फ मेरे पति ही नहीं, बल्कि हर दौर में साथ खड़े रहने वाले साथी भी हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में मेरा हाथ थामा, मुझे संभाला और मेरे साथ मिलकर एक खूबसूरत जीवन बनाया। उन्हीं की वजह से मेरा सफर इतना अर्थपूर्ण और प्यार से भरा हुआ है।" रिद्धिमा ने कहा, "इतने साल बीत जाने के बाद भी जो पल हमने साथ मिलकर बनाए, वह आज भी मेरे चेहरे पर वही मुस्कान ले आती है, जो शादी के शुरुआती दिनों में आती थी। 20 साल बाद भी मैं हर दिन आपको चुनती हूं। मेरा रिश्ता समय के साथ और मजबूत होता जा रहा है।" अपने पोस्ट के आखिर में रिद्धिमा ने लिखा, "यह प्यार, विकास और साथ निभाने के 20 साल हैं। मेरे पति भरत साहनी को सालगिरह की शुभकामनाएं।" रिद्धिमा कपूर ने साल 2006 में दिल्ली के कारोबारी भरत साहनी से शादी की थी।

रिपब्लिक डे पर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना स्टारर वीडी14 का टाइटल होगा रिलीज

मुंबई। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना स्टारर वीडी14 के मेकर्स, ने फिल्म का टाइटल रिपब्लिक डे पर रिलीज़ करने का ऐलान किया है। विजय देवरकोंडा आज के दौर के सबसे टैलेंटेड और गुड-लुकिंग सितारों में से एक हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, एक्टिंग और अलग ही ऑरा ने उन्हें देशभर में जबरदस्त फैन फॉलोइंग दिलाई है। वह जिस भी फिल्म का हिस्सा होते हैं, उसका लेवल अपने आप ऊपर चला जाता है। कई सराही गई फिल्मों के बाद अब विजय अपनी अगली बड़ी फिल्म वीडी14 के लिए तैयार हैं। इस फिल्म को राहुल सांक्रित्यन निर्देशित कर रहे हैं और इसे पुष्पा के मेकर्स माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही फैन्स को इसके अपडेट्स का बेसब्री से इंतज़ार है और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प पोस्टर शेयर किया, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। पोस्टर में ऊपर से दिखता सीन है, जहां कई लोग सूनी और बंजर ज़मीन पर चलते नज़र आ रहे हैं, जो एक रहस्यमय और डरावना माहौल बनाता है। पोस्टर पर लिखा है, "द लेजेंड ऑफ द कर्स्ड लैंड का नाम 26 जनवरी 2026 को बताया जाएगा।" विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, जिन्होंने पहले गीता गोविंदम और डियर कमरेड जैसी फिल्मों में साथ काम किया और अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था, अब इस नई फिल्म में फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। इससे एक्साइटमेंट और बढ़ गई है, और फैन्स बेसब्री से इस प्यारे जोड़ी को बड़े पर्दे पर फिर से देखने का इंतज़ार कर रहे हैं।